कौए को भाया काला रंग

4

Website:- www.Janmarg.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

TITLE CODE:- T/RJ/2024/211

e-mail :morningjanmarg@gmail.com

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

वर्ष : 2 ● अंक : 11 ● श्रीगंगानगर, शनिवार, 22.03.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-

लंदन का हीथ्रो एयरपोर्ट बंद, 1300 फ्लाइट कैंसिल

जनमार्ग न्यूज

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में हीथ्रो एयरपोर्ट को आज यानी शुक्रवार को बंद कर दिया गया। एयरपोर्ट के पास एक इलेक्ट्रिकल सबस्टेशन में गुरुवार रात आग लगने की वजह से एयरपोर्ट की बिजली आपूर्ति बंद करनी पड़ी। इसके चलते 1300 फ्लाइट्स सस्पेंड हुई हैं, जिनसे 2 लाख 91 हजार पैसेंजर्स प्रभावित हुए हैं। आग वेस्ट लंदन के हेस में लगी थी। इस वजह से 5 हजार से ज्यादा घरों की बिजली गुल हुई। करीब 150 लोगों को यहां से सुरक्षित निकाला गया है। लंदन फायर ब्रिगेड ने 70 फायर फाइटर्स के साथ शुक्रवार सुबह तक ज्यादातर आग पर काबू पा लिया। हालांकि अभी तक पूरी तरह आग बुझी नहीं है। पुलिस ये पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सबस्टेशन पर लगी आग के पीछे किसी का कोई गलत इरादा तो नहीं था।

भू राजस्व बिल का विरोध, कांग्रेस का विधानसभा से वॉकआउट

● भाजपा विधायक ने अपनी सरकार को घेरा ● बिल प्रवर समिति को भेजा

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राज्य सरकार ने एक और बिल राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) को सदन में बहस के बाद पारित होने से ठीक पहले विधानसभा की प्रवर समिति (सलेक्ट कमेटी) को भेज दिया है। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने बहस का जवाब देने के बाद बिल को सलेक्ट कमेटी को भेजने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। बिल पर कांग्रेस के साथ बीजेपी के कई विधायकों ने भी विरोध किया था। वहीं इमरजेंसी में जेल जाने वालों को पेंशन और सुविधाओं के लिए लाए गए लोकतंत्र सेनानी सम्मान बिल पर बहस के दौरान निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि हमने इमरजेंसी के उस कालखंड को देखा नहीं, लेकिन सुना है, इमरजेंसी से लड़ने वाले सम्मान के पात्र है। मैं जब बाड़मेर सीट से लोकसभा चुनाव का नॉमिनेशन भरकर वापस लौटा तो घर पर इनकम टैक्स सहित कई विभागों के नोटिस आए हुए थे। इससे पहले राज्य सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार के आखिरी छह महीने में बनाए गए 26 बोर्ड सहित 34 बोर्ड को न तो कोई बजट दिया है और न ही इनमें अध्यक्ष व मेंबर की नियुक्ति की है। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने विधानसभा में शुक्रवार को संकेत दिए हैं कि फिलहाल इन्हें चालू नहीं किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान बिल पर बहस के दौरान सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान मुझे 151 के तहत गिरफ्तार करके महीनों तक जेल में रखा। हमारी कोई गवाही नहीं देता था। उस समय का वातावरण क्या था, यह बताता हूं। पहले तो मजिस्ट्रेट ही सुनवाई नहीं करते थे, फिर जैसे तैसे सुनवाई हुई। जज ने हमें गिरफ्तार करने वाले थानेदार से पूछा कि इनका गुनाह क्या है, तो वह बोला कि ये तो आगजनी कर रहे थे। हम तो दो लोग मसाल लेकर जा रहे थे, आगजन कैसे करते। फिर जब दूसरे गुनाह के बारे में पूछा तो थानेदार ने कहा कि ये नारे लगा रहे थे, भारत माता की जय बोल रहे थे। यह आज भी कोर्ट के रिकॉर्ड में मिल जाएगा। उस वक्त भारत माता की जय बोलना अपराध घोषित कर दिया था, कांग्रेस के लोग उस दौर को जस्टिफाई कर रहे थे, आपसे और गया बीता कौन हो सकता है? आप उस दौर की ज्यादतियों के लिए माफी मांगते तो कोई बात थी। इमरजेंसी में जेल जाने वालों को पेंशन और सुविधाओं के लिए लाए गए लोकतंत्र सेनानी सम्मान बिल पर बहस के दौरान निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि हमने इमरजेंसी के उस कालखंड को देखा नहीं, लेकिन सुना है, इमरजेंसी से लड़ने वाले सम्मान के पात्र है। मैं जब बाड़मेर सीट से लोकसभा चुनाव का नॉमिनेशन भरकर वापस लौटा तो घर पर इनकम टैक्स सहित कई विभागों के नोटिस आए हुए थे।

पाकिस्तान बॉर्डर से पकड़ी 15 करोड़ की तीन किलो हीरोइन

● पाकिस्तान ड्रोन द्वारा पैकेट गिराने की आशंका

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में सीमावर्ती रावला थाना क्षेत्र के एक खेत में आज दोपहर 3 किलो हैरोइन पड़ी मिली। हैरोइन पाकिस्तानी तस्करों द्वारा ड्रोन से ड्रॉप किए जाने की आशंका है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज दोपहर लगभग 3 बजे रावला क्षेत्र में सूचना मिलने पर बीएसएफ और पुलिस मौके पर पहुंची ग्राम पंचायत 12-केएनडी के चक 3- केएनएम के एक रेतीले खेत में पीले रंग का संदिग्ध पैकेट पड़ा था। उसे पर हुक लगा हुआ था। मौके पर ही बीएसएफ और पुलिस के अधिकारियों ने पैकेट को खोल तो उसमें सफेद रंग के कपड़े की दो थैलियां मिलीं। इनमें डेढ़-डेढ़ किलो हैरोइन बरामद हुई है। पुलिस ने दावा किया है कि बरामद हैरोइन का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य लगभग 15 करोड रुपए है। हैरोइन मिलने पर पुलिस और बीएसएफ ने संयुक्त रूप से आसपास के खेतों तथा इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन कहीं कोई और संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। रावला के थाना प्रभारी सीआई नवनीतसिंह ने बताया कि उक्त पैकेट दोपहर लगभग 3 बजे मिला। पैकेट पर पाकिस्तानी तस्करों का मार्क लगा हुआ है। लिहाजा आशंका व्यक्त की जा रही है कि यह पैकेट पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन से इस इलाके में गिराया है। पाकिस्तानी तस्करों ने यह नापाक हरकत कब की, इसका कोई अंदाजा नहीं है। बताया जाता है कि किसी ग्रामीण ने पैकेट पड़े देखा तो पुलिस और बीएसएफ को सूचना दी। तत्पश्चात यह मामला सामने आया। हालांकि बीएसएफ सूत्रों का कहना है कि यह पैकेट गुरुवार-शुक्रवार की रात को पाकिस्तानी तस्करों द्वारा गिराया गया है। बीएसएफ अपनी इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना के आधार पर यह पैकेट बरामद होना बता रही है। पाकिस्तानी हैरोइन की यह खेत लेने आने वाले भारतीय तस्करों का फिलहाल कोई सुराग नहीं है।

राजस्थान में मेडिकल-ऑफिसर भर्ती परीक्षा के लिए फिर मांगे आवेदन

● अभ्यर्थी 4 अप्रैल तक कर सकेंगे ऑफलाइन आवेदन

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में डॉक्टर पद (मेडिकल ऑफिसर) पर निकाली भर्ती के लिए राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस) ने फिर से आवेदन मांगे हैं। ये आवेदन उन लोगों से मांगे हैं, जो 27 अप्रैल तक इस भर्ती परीक्षा के लिए योग्य हो जाएंगे। आवेदन 26 मार्च से 4 अप्रैल के बीच भरे जाएंगे, जबकि भर्ती परीक्षा का आयोजन 27 अप्रैल को होगा। आरयूएचएस की ओर से मेडिकल ऑफिसर के 1700 पदों पर भर्ती की जानी प्रस्तावित है। यह परीक्षा अब 27 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक पारी में आयोजित की जाएगी। परीक्षा केवल एक ही पारी में आयोजित होगी। परीक्षा केंद्रों की संख्या के बारे में सूचना जल्द ही जारी की जाएगी। इससे पहले आरयूएचएस प्रशासन इस भर्ती के लिए परीक्षा 4 अप्रैल को आयोजित करवाने जा रहा था, लेकिन उन अभ्यर्थियों को मौका दिया गया है, जो 27 अप्रैल तक इस भर्ती के लिए निर्धारित योग्यता हासिल कर लेंगे। आरयूएचएस प्रशासन ने इससे पहले फरवरी में भी 5 दिन (14 फरवरी से 18 फरवरी तक) आवेदन पत्र भरने के लिए ऑनलाइन विंडो खोली थी। तब 2019 बैच के एमबीबीएस पास आउट अभ्यर्थियों को आवेदन का मौका दिया था। तब इन बैच के उन लोगों को मौका दिया था, जो अपनी इंटर्नशिप इस साल फरवरी-मार्च तक पूरी करके आरएमसी में रजिस्ट्रेशन करवा लेंगे। आरयूएचएस प्रशासन ने पिछले साल 2024 में ये भर्ती निकाली थी। तब 1480 मेडिकल ऑफिसर्स के लिए भर्ती विज्ञप्ति जारी करके आवेदन मांगे और 17 नवंबर 2024 को परीक्षा की तारीख निर्धारित की। पिछले साल नवंबर में परीक्षा तारीख से कुछ दिन परीक्षा स्थगित करने के आदेश जारी कर दिए थे।

इजराइल के इतिहास में पहली बार खुफिया चीफ बर्खास्त

जनमार्ग न्यूज

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुफिया एजेंसी शिन बेट के चीफ रोनन बार को बर्खास्त कर दिया है। शुक्रवार को कैबिनेट ने नेतन्याहू के फैसले का सर्वसम्मति से समर्थन किया। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने इसकी घोषणा की। हालांकि इजराइल के सर्वोच्च न्यायालय ने रोनन की बर्खास्तगी पर अस्थायी रोक लगा दी है। अदालत ने कहा कि बर्खास्तगी पर तब तक रोक रहेगी जब तक कि इस मामले पर 8 अप्रैल से पहले सुनवाई नहीं हो जाती। इजराइल के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब सरकार ने घरेलू सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख को उसके पद से हटाया है। शिन बेट चीफ के तौर पर रोनन का आखिरी दिन 10 अप्रैल होगा। इससे पहले सरकार ने उनकी बर्खास्तगी के लिए 20 अप्रैल की तारीख तय की थी, जिसे बदल दिया गया है।

कर्नाटक विधानसभा में मुस्लिम आरक्षण पर भारी हंगामा

● 18 बीजेपी विधायक 6 महीने के लिए निलंबित

जनमार्ग न्यूज

बेंगलुरु। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4 प्रतिशत आरक्षण देने के मामले में भाजपा विधायकों ने जमकर हंगामा किया। आर अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों ने आरक्षण बिल की कॉपी फाड़कर स्पीकर की ओर फेंक दी। इसके बाद स्पीकर यूटी खादर ने मार्शलों को बुलाकर हंगामा कर रहे विधायकों को सदन से बाहर करवा दिया। साथ ही भाजपा के 18 विधायकों को विधानसभा की कार्यवाही से 6 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया। हंगामे के बीच सरकार ने मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की सैलरी 100 प्रतिशत बढ़ाने का बिल पास कर दिया। विधेयक को कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने पेश किया। इसके पारित होने से मुख्यमंत्री का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़कर 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह हो जाएगा। विधान परिषद के सभापति और विधानसभा अध्यक्ष का वेतन 75 हजार रुपए से बढ़ाकर 1.25 लाख रुपए हो जाएगा।

रिश्वत मामले में दो अफसर सीबीआई की गिरफ्त में

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिश्वत लेने-देन मामले में एक केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक (सीनियर जीएम) और मुंबई स्थित एक प्राइवेट कंपनी के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) को अरेस्ट किया है। प्राइवेट कंपनी के डीजीएम की ओर से लोक सेवक सीनियर जीएम को 2.40 लाख रुपए की रिश्वत दी गई थी। रिश्वत के लेन-देन के तुरंत बाद ही दोनों अफसरों को सीबीआई टीम ने अरेस्ट किया है। कथित तौर पर रिश्वत की रकम प्राइवेट कंपनी को दिए गए पीएसयू के कॉन्ट्रैक्ट से संबंधित बिलों के प्रोसेस और पास करने में अनुचित मदद करने के बदले दी गई थी। सीबीआई सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक (सीनियर जीएम) उदय कुमार और मुंबई स्थित एक प्राइवेट कंपनी के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) सुमन सिंह को अरेस्ट किया है।

स्कूल के कैशियर ने की 25-लाख की हेराफेरी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर में एक कैशियर के 25 लाख रुपए की हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। स्टूडेंट्स से लाखों रुपए की फीस वसूली कर फेक रसीद दे डाली। स्कूल के बैंक अकाउंट में जमा नहीं करवाकर आरोपी कैशियर ने धोखाधड़ी की। श्याम नगर थाने में पीड़ित स्कूल प्रधानाचार्य ने कैशियर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने बताया कि श्याम नगर के निर्माण नगर स्थित प्राइवेट स्कूल की प्रधानाचार्य ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उनके स्कूल में आरोपी कैशियर के पद पर तैनात था। स्कूल ऑफिस में फीस वसूलने की आरोपी की जिम्मेदारी थी। पेरेंट्स से स्कूल फीस वसूलने के बाद स्टूडेंट्स के अकाउंट में चढ़ाकर स्कूल के बैंक अकाउंट में जमा करवानी थी।

हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर खुला, वाहनों का आवागमन शुरु

● किसान आंदोलन के चलते 13 महीने से बंद था ● पंजाब सरकार की बैठक में नहीं गए किसान

जनमार्ग न्यूज

पटियाला। किसान आंदोलन की वजह से 13 महीने से बंद हरियाणा-पंजाब का खनौरी बॉर्डर भी शुक्रवार से खुल गया। यहां से दिल्ली-पटियाला हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई। हरियाणा पुलिस ने 20 मार्च को ही यहां से सीमेंट की बैरिकेडिंग हटा दी थी। पंजाब की तरफ से ट्रालियां हटाने में समय लग गया। पंजाब पुलिस ने अंबाला और पटियाला के बीच शंभू बॉर्डर को 20 मार्च को ट्रैफिक के लिए खोल दिया था। इसके बाद दिल्ली-अमृतसर-जम्मू हाईवे पर आवाजाही शुरू हो गई है। पंजाब पुलिस ने 19 मार्च को ये दोनों बॉर्डर किसानों से खाली कराए थे। वहीं, पंजाब के 2 किसान संगठन संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के पंजाब चैप्टर और भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) ने राज्य सरकार की बुलाई मीटिंग का बायकॉट कर दिया। कृषि मंत्री ने चंडीगढ़ स्थित पंजाब भवन में यह मीटिंग बुलाई थी। दोनों संगठनों ने सरकार से बातचीत करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले शंभू-खनौरी बॉर्डर से हिरासत में लिए नेता रिहा किए जाएं, उसके बाद सरकार से कोई बात होगी। वहीं, किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल व अन्य किसानों को हिरासत में लेने का मामला पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में पहुंच गया है। इस मामले में उच्च अदालत में इमरजेंसी सुनाई हुई है। अदालत ने डीजीपी से सोमवार (24 मार्च) तक इस बारे में स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। फसलों की एमएसपी की कानूनी गारंटी को लेकर पंजाब के किसान दिल्ली जाने के लिए निकले थे। हरियाणा पुलिस ने उन्हें अंबाला-पटियाला के बीच शंभू बॉर्डर और संगरूर-जींद के बीच खनौरी बॉर्डर पर ही रोक लिया। किसानों पर आंसू गैस के गोले दागे गए।

आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद नासूर: शाह

● गृह मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। बजट सत्र के आठवें दिन शुक्रवार को अमित शाह ने गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा का जवाब दिया। शाह ने कहा- चर्चा के दौरान कुछ उपयोगी सुझाव आए हैं। हमारी कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया। कुछ राजनीतिक टिप्पणियां भी की गईं। कुछ राजनीतिक आक्षेप भी लगाए गए। सभी का संसदीय भाषा में जवाब देने का प्रयास करूंगा। शाह ने कहा कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में बहुत कुछ बदला। आतंकवाद, नक्सलवाद और पूर्वोत्तर में उग्रवाद नासूर बने थे। हमें पिछली सरकार ने इसे विरासत में दिया था। 2014 में हमारी सरकार बनी तो हमने तीनों मोर्चों पर मुकाबला किया। जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं से हुई मौतों में 70त्न कमी आई है। गृह मंत्री ने कहा- जम्मू-कश्मीर में विपक्ष के 33 साल के शासनकाल में वहां सिनेमाहॉल ही नहीं खुलते थे। हमने 2019 में आर्टिकल 370 हटाया। जी-20 की बैठक में दुनियाभर के राजनयिक वहां गए। हमने वहां सफलतापूर्वक चुनाव करवाए। एक गोली तक नहीं चली। काला चश्मा पहन कर विकास नहीं दिखेगा शाह ने कांग्रेस और राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि ये हिसाब मांगते हैं कि क्या हुआ 370 हटाने का परिणाम।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083 पर देवें। E-mail: Morningjanmarg@gmail.com

सम्पादकीय

समहिलाएं और बच्चे

यह अजीब बात है कि वह हमले के बीच युद्धविराम से जुड़ी वार्ताएं जारी रखने की बात कर रहा है। उसने बुधवार को दोबारा हमले किए, जिससे पचासी नागरिकों की मौत हो गई। इजराइल और हमास के बीच दो महीने पुराना संघर्ष विराम जमीन पर कितना उतर सका, उसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसके बावजूद इजराइल ने इस बार बिना किसी उकसावे के गाजा पर हवाई हमले किए। हालांकि उसका दावा है कि गाजा की ओर से मिसाइल दागी गई। इजराइल के सैन्य हमले में अब तक बयालीस हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। बमबारी से बचने के लिए नागरिक भूखे-प्यासे मारे-मारे फिर रहे हैं। अफसोसनाक यह भी है कि उन तक मानवीय सहायता भी नहीं पहुंचने दी जा रही। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए मजबूर हैं। ऐसा लगता है कि इजराइल किसी भी नियम और शर्त को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। उसने संघर्ष विराम के बावजूद कर गाजा पर भारी हवाई हमले किए, जिसमें पांच सौ बानबे लोगों की मौत हो गई। सवाल है कि इजराइल ने ऐसा क्यों किया? हमास के साथ उसका अस्थायी संघर्ष विराम इसलिए हुआ था, ताकि हमले में अपहृत बंधकों को छोड़ दिया जाएगा। हमास ने कुछ बंधक छोड़े भी। यह प्रक्रिया चल ही रही थी कि अब दोनों पक्ष एक दूसरे पर शर्तों के उल्लंघन के आरोप लगा रहे हैं। वर्चस्व के इस जंग के बीच आम फिलिस्तीनी दयनीय जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। संघर्ष विराम टूटने के बाद गाजा क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर होने का अंदेशा है। इजराइल ने दोबारा हमले कर साफ कर दिया है कि शांति प्रयासों में उसकी कोई रुचि नहीं है। वह अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए गाजा को तबाह कर देने पर आमादा है। यह अजीब बात है कि वह हमले के बीच युद्धविराम से जुड़ी वार्ताएं जारी रखने की बात कर रहा है। उसने बुधवार को दोबारा हमले किए, जिससे पचासी नागरिकों की मौत हो गई। ये हमले उस समय हुए, जब ज्यादातर लोग घरों में सो रहे थे। शांति और समस्या के हल की कोशिश के बजाय इजराइल ने इस बार उत्तरी गाजा पर शिकंजा कस दिया है। इससे फिलिस्तीनी नागरिकों की आवाजाही मुश्किल हो गई है। सवाल है कि उन आम लोगों के मानवाधिकारों का हनन कब तक होता रहेगा, जो युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं हैं!

क्रायोजेनिक तकनीक में देश की छलांग

इस प्रौद्योगिकी के निर्माण में भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। यही वह इंजन है, जो मानव रेटेड एलवीएम-3 प्रक्षेपण वाहन के ऊपरी चरण को शक्ति प्रदान करेगा। ये सब तैयारियां भेजे गए इंसान को सुरक्षित रूप में वापस लाने के लिए की जा रही हैं। दरअसल हमारे वैज्ञानिकों ने अनेक विपरीत परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद इस क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एक समय ऐसा भी था, जब अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजेनिक इंजन देने से मना कर दिया था। प्रक्षेपण यान का यही इंजन वह अश्व-शक्ति है, जो भारी वजन वाले उपग्रहों, अन्य उपकरणों और मानवों को अंतरिक्ष में पहुंचाने का काम करते हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. वी नारायण ने कहा है कि भारत उन छह देशों में से एक है, जिन्होंने स्वदेशी क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी विकसित कर ली है। अन्य पांच देश अमेरिका, फ्रांस, रूस, चीन और जापान हैं। आईआईटी मद्रास में नए शोध केंद्र के शुभारंभ पर नारायण ने आगे कहा कि इसरो के सीई-20 इंजन ने गगनयान मिशन के लिए मानव रेटिंग हासिल कर ली है। मानव रेटिंग प्रक्रिया तय करती है कि मनुष्य को अंतरिक्षयान में लेकर उड़ान भरने वाली यह प्रणाली सुरक्षित है। यह अंतरिक्ष यात्रा के लिए सुरक्षा मानकों को पूरा करने के लिए एक जरूरी प्रक्रिया है।

नारायण ने बताया कि एक समय क्रायोजेनिक प्रौद्योगिकी भारत को अन्य देशों ने नहीं दी थी। परंतु आज हमारे पास तीन ऐसे इंजन हैं, जिनमें से तीसरा मानव रेटेट है। हमने इस प्रौद्योगिकी में तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं। इस अभियान को तीसरे प्रयास में ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया गया था। इंजन के परीक्षण से लेकर उड़ान भरने तक यह अभियान 28 महीनों में पूरा किया, जबकि अन्य देशों को इसमें 42 महीनों से लेकर 18 वर्ष तक का समय लगा। परीक्षण में भी हमें मात्र 34 दिन लगे, जबकि अन्य देशों को परीक्षण पूरा करने में ही पांच से छह माह तक लगे हैं। अतएव इस प्रौद्योगिकी के निर्माण में भारत ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने में बड़ी सफलता प्राप्त की है। यही वह इंजन है, जो मानव रेटेड एलवीएम-3 प्रक्षेपण वाहन के ऊपरी चरण को शक्ति प्रदान करेगा। ये सब तैयारियां भेजे गए इंसान को सुरक्षित रूप में वापस लाने के लिए की जा रही हैं। दरअसल हमारे वैज्ञानिकों ने अनेक विपरीत परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के बावजूद इस क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियां हासिल की हैं। अन्यथा एक समय ऐसा भी था, जब अमेरिका के दबाव में रूस ने क्रायोजेनिक इंजन देने से मना कर दिया था। असल में किसी भी प्रक्षेपण यान का यही इंजन वह अश्व-शक्ति है, जो भारी वजन वाले उपग्रहों, अन्य उपकरणों और मानवों को अंतरिक्ष में पहुंचाने का काम करते हैं। भारत ने शुरुआत में रूस से इंजन खरीदने का अनुबंध किया था, लेकिन 1990 के दशक के आरंभ में अमेरिका ने मिसाइल तकनीक नियंत्रण व्यवस्था (एमटीसीआर) का हवाला देते हुए इसमें बाधा उत्पन्न कर दी थी। इसका असर यह हुआ कि रूस ने तकनीक तो नहीं दी लेकिन छह क्रायोजेनिक इंजन जरूर भारत को शुल्क लेकर भेज दिए। कालांतर में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा की मदद से भारत को एमटीसीआर क्लब की सदस्यता भी मिल गई, लेकिन इसके पहले ही इसरो के वैज्ञानिकों के कठोर परिश्रम और दृढ़ इच्छा शक्ति के चलते स्वदेशी तकनीक के बूते चरणबद्ध रूपों में इंजन को विकसित कर लिया गया।

मानव मिशन की इस उड़ान के पहले चरण का सफल प्रक्षेपण इसरो पहले ही कर चुका है। देश के महत्त्वाकांक्षी मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान से जुड़े पैलोड के साथ उड़ान भरने वाले परीक्षण यान के असफल होने की स्थिति में क्रू मॉड्यूल अर्थात जिसमें अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे, को बाहरी अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद वापस सुरक्षित लाने के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम' यानी चालक दल बचाव प्रणाली (सीईएस) का सफल परीक्षण कर इसरो विश्व कीर्तिमान स्थापित कर

चुका है। इस बचाव प्रणाली की जरूरत इसलिए थी, क्योंकि यान के असफल होने पर कई वैज्ञानिक प्राण गंवा चुके हैं। गगनयान परियोजना के तहत इसरो मानव चालक दल को 400 किमी ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजेगा। बाद में सुरक्षित पृथ्वी पर वापस समुद्र में उनकी लैंडिंग कराई जाएगी। अतएव भारतीय मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसरो में वैज्ञानिकों के साथ बातचीत में उनके लिए लक्ष्य भी तय कर दिए हैं कि 2035 में भारत अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित हो तथा 2040 में चंद्रमा पर भारतीय नागरिक के कदम पड़ जाएं। अब तक भारतीय या भारतीय मूल के तीन वैज्ञानिक अंतरिक्ष की यात्रा कर चुके हैं। राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं। इनके अलावा भारतीय मूल की कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स भी अमेरिकी कार्यक्रम के तहत अंतरिक्ष जा चुकी हैं। हालांकि पूर्व में भारत ने 2022 तक अंतरिक्ष में मानव भेजने की घोषणा की थी। लेकिन इस पर समय रहते क्रियान्वयन नहीं हो पाया। अंतरिक्ष में मानवरहित और मानवचालित दोनों तरह के यान भेजे जाएंगे। पहले चरण में योजना की सफलता को परखने के लिए अलग-अलग समय में दो मानव-विहीन यान अंतरिक्ष की उड़ान भरेंगे। इनकी कामयाबी के बाद मानव-युक्त यान अपनी मंजिल का सफर तय करेगा। यह सावधानी इसलिए बरती जा रही है, क्योंकि अमेरिकी मानव मिशन की असफलता के चलते भारतीय महिला वैज्ञानिक कल्पना चावला की मृत्यु हो गई थी। ये कोलंबिया अंतरिक्ष यान आपदा में मारे गए 7 यात्री दल सदस्यों में से एक थीं।

मानव युक्त गगनयान की कामयाबी के बाद भारत अमेरिका, रूस और चीन की श्रेणी में आ जाएगा। क्योंकि इन्हीं देशों ने अब तक अंतरिक्ष में अपने मानवयुक्त यान भेजने में सफलता पाई है। भारत ने अब अंतरिक्ष में बड़ी छलांग लगाने की पहल कर दी है। भारत द्वारा अंतरिक्ष में भेजे जाने वाले गगनयान का भार 7 टन, ऊंचाई 7 मीटर और करीब 4 मीटर व्यास की गोलाई होगी। 'गगनयान' जीएसएलवी (एमके-3) रॉकेट से अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करने के बाद 16 मिनट में अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच जाएगा। इसे धरती की सतह से 400 किमी की दूरी वाली पृथ्वी कक्षा में स्थापित किया जाएगा। सात दिन तक कक्षा में रहने के बाद गगनयान को अरब-सागर, बंगाल की खाड़ी अथवा जमीन पर उतारा जाएगा। इस संबंध में पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा से भी मदद ली जा रही है। भारत पहले दो गगनयान-अभियान मानवरहित भेजेगा। दरसअल अंतरिक्ष में मौजूद ग्रहों पर यानों को भेजने की प्रक्रिया बेहद जटिल और शंकाओं से भरी होती है। यदि अवरोह का कोण जरा भी डिग जाए या फिर गति का संतुलन थोड़ा सा ही लड़खड़ा जाए तो कोई भी अंतरिक्ष-अभियान ध्वस्त हो जाता है या अंतरिक्ष में कहीं भटक जाता है। भारत ने गगनयान को अंतरिक्ष में भेजने की दृष्टि से श्रीहरिकोटा में जीएसएलवी मार्क-3 को स्थापित करने की तैयारी शुरू की हुई है। इसरो ने परीक्षण के तौर पर क्रू एस्केप मॉड्यूल का पहला पड़ाव पार कर लिया है और अब मानव रेटेट क्रायोजेनिक इंजन भी तैयार भी हो गया है। बहरहाल, अंतरिक्ष में भारतीय मानव मिशन के सफल होने के बाद ही चंद्रमा और मंगल पर मानव भेजने का रास्ता खुलेगा। इन पर बस्तियां बसाए जाने की संभावनाएं भी बढ़ जाएंगी। आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन के भी बढ़ने की उम्मीद है। इसरो की यह सफलता अंतरिक्ष पर्यटन की पृष्ठभूमि का एक हिस्सा है। यह अभियान देश में अंतरिक्ष शोधकार्यों को बढ़ावा देगा। साथ ही भारत को अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकी तैयार करने में मदद मिलेगी। वैज्ञानिकों का तो यहां तक दावा है कि दवा, कृषि, औद्योगिक सुरक्षा, प्रदूषण, कचरा प्रबंधन तथा पानी एवं खाद्य स्रोत प्रबंधन के क्षेत्र में भी तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

भविष्य के लिए पानी की बर्बादी को रोकना जरूरी

जाम्बा, करनाल से कैथल जाने वाले मुख्य मार्ग पर एक संपन्न गांव है। कोई 1250 की आबादी वाले पूरे गांव में 242 घर हैं और सभी पक्के हैं। यहां 'हर घर जल की सरकारी योजना के तहत प्रत्येक घर तक पानी की लाइन है। गांव में ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग हरियाणा ने एक ट्यूबवेल लगा रखा है। एक कर्मचारी सुबह-शाम एक-एक घंटा इसे चला कर घरों तक पानी पहुंचाता है। पानी को क्लोरिन से शुद्ध किया जाता है। सरकार इसके लिए महज चालीस रुपये महीना लेती है और वह भी कई ग्रामीण चुकाते नहीं। गांव वालों की शिकायत है कि पानी कम आता है। हकीकत तो यह है कि दिन में दो घंटे मोटर चलने से एक आठ लोगों के परिवार के पीने, रसोई, नहाने का पानी पर्याप्त पहुंच जाता है। असल में हर घर में मवेशी पले हैं और अब ग्रामीण चाहते हैं कि ढोर के नहलाने का पानी भी नल से ही आए। यह पूरी सरकारी योजना जिस भूजल पर टिकी है, असल में वह किसी भी दिन धोखा दे सकती है। जाम्बा को ही क्यों कोसें, दिल्ली एनसीआर के कई इलाकों को इस बात के लिए गर्व से प्रचारित किया जाता है कि वहां घरों में गंगा-वाटर आता है। ऐसे इलाकों में फ्लेट के दाम इस कारण अधिक होते हैं। जिस गंगा जल को घरों में एक बोतल में पवित्र निशानी की तरह रखा जाता है, वह गंगा जल लाखों घरों में शौचालय से लेकर कपड़े धोने तक में इस्तेमाल होता है। कृषि मंत्रालय के भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का एक ताजा शोध बताता है कि सन 2030 तक हमारे धरती के तापमान में 0.5 से 1.2 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि अवश्यंभावी है। साल-दर-साल बढ़ते तापमान का प्रभाव सन 2050 में 0.80 से 3.16 और सन 2080 तक 1.56 से 5.44 डिग्री हो सकता है। जान लें कि तापमान में एक डिग्री बढ़ोतरी का अर्थ है कि खेत में 360 किलो फसल प्रति हैक्टेयर की कमी आ जाना। इस तरह जलवायु परिवर्तन के चलते खेती के लिहाज से 310 जिलों को संवेदनशील माना गया है। सामने दिख रहा है कि संकट अकेले पानी का ही नहीं है, अलग-अलग किस्म का पानी, अलग-अलग इस्तेमाल के लिए कैसे छांटा जाए, इस बारे में तंत्र विकसित करना और सबसे बड़ी बात इसके लिए जागरुकता फैलाना अनिवार्य है। भारत में जिस साल अल्प वर्षा होती है, उस साल भी इतनी कृपा बरसती है कि सारे देश की जरूरत पूरी हो सकती है लेकिन हमारी असली समस्या बरसात की हर बूंद को रोक रखने के लिए हमारे पुरखों द्वारा बनाए तालाब-बावड़ी या नदियों की दुर्गति करना है। हम यह भूल जाते हैं कि प्रकृति जीवनदायी संपदा यानी पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें ही लौटाना होता है। दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइपलाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण 17 से 44 प्रतिशत पानी प्रतिदिन बेकार बह जाता है। ब्रह्मपुत्र नदी का प्रतिदिन 2.16 घन मीटर पानी बंगाल की खाड़ी में चला जाता है। भारत में हर वर्ष बाढ़ के कारण करीब हजारों मौतें व अरबों का नुकसान होता है। इजरायल में औसत बारिश 10 सेंटीमीटर है, इसके बावजूद वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात करता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटीमीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद सिंचाई के लिए जरूरी जल की कमी बनी रहती है। यह भी कड़वा सच है कि हमारे देश में औरतें पीने के पानी के जुगाड़ के लिए हर रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती हैं। पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पूरी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलोलीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है जोकि खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुआं, झरना और झीलों में है। इस एक प्रतिशत पानी का 60वां हिस्सा खेती और उद्योगों में खपत होता है। बाकी का 40वां हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने आदि में खर्च करते हैं। यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है तो पांच मिनट में करीब 30 लीटर पानी बर्बाद होता है। यदि अभी पानी को सहेजने और किफायती इस्तेमाल पर काम नहीं किया गया तो वह दिन दूर नहीं जब सरकार की हर घर नल जैसी योजनाएं जल-स्रोत ना होने के कारण रीती दिखेंगी। जान लें, पानी की कमी, मांग में वृद्धि तो साल-दर-साल ऐसी ही रहेगी। अब मानव को ही बरसात की हर बूंद को सहेजने और उसे किफायत से खर्च करने पर विचार करना होगा। इसमें अन्न की बर्बादी सबसे बड़ा मसला है। जितना अन्न बर्बाद होता है, उतना ही पानी जाया होता है।

निंदा का परित्याग

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में निर्वहन के लिए व्यक्ति के सामाजिक गुणों का अत्यंत महत्व है। गुणी व्यक्ति को प्रत्येक जगह सम्मान की प्राप्ति होती है। संसार के प्रत्येक प्राणी में कुछ गुण तो कुछ अवगुण पाए जाते हैं, परंतु कुछ लोग हैं जो दूसरे के अवगुणों को ही देखते हैं। वे किसी भी सकारात्मक पक्ष में नकारात्मकता देखने के अभ्यस्त हो जाते हैं। प्रायः ऐसे लोगों में निंदा की प्रवृत्ति पाई जाती है। वे ऐसा करके खुद को समाज में श्रेष्ठ एवं दूसरे को नीचा साबित करना चाहते हैं। निंदा एक नशे की भांति है, जो एक बार इसका आदी हो गया, वह दिन-प्रतिदिन इसके पाश में जकड़ता चला जाता है। मनीषियों ने निंदा को दुर्व्यसन के समान माना है, जो निंदा करने वाले व्यक्ति को अंदर ही अंदर नैतिक रूप से समाप्त करती रहती है। एक बार एक आचार्य अपने शिष्यों को शिक्षा प्रदान कर रहे थे। शिक्षा प्राप्ति के दौरान एक शिष्य अन्य शिष्यों की ओर संकेत करते हुए आचार्य से कहने लगा कि 'वे अपना कार्य सही से नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है इन लोगों को कार्य करना ही नहीं आता।' आचार्य बोले, 'तुमको छोड़ अन्य सारे शिष्य सही से कार्य कर रहे हैं।' इस पर शिष्य असहज हो गया। उसने आचार्य से पूछा, 'वह कैसे?' आचार्य बोले, 'क्योंकि वे लोग अपने कार्य में संलग्न हैं, किंतु तुम अपने कार्य पर ध्यान न देकर, दूसरों के कार्य की निंदा करने में अपने समय की बर्बादी कर रहे हो।'

दान की बड़ी महिमा

एक बार राजा भोज एक जंगल के रास्ते से जा रहे थे। साथ में उनके राजकवि पंडित धनपाल भी थे। रास्ते में एक विशाल बरगद के पेड़ में मधुमक्खियों का एक बहुत बड़ा छत्ता लगा था। जो शहद के भार से गिरने ही वाला था। राजा भोज ने ध्यान से देखा तो पाया कि मधुमक्खियां उस छत्ते से अपने हाथ पैर घिस रही हैं। उन्होंने राजकवि से इसका कारण पूछा। राजकवि बोले- महाराज ! दान की बड़ी महिमा है। शिवि, दधीचि, कर्ण, बलि आदि अनेक दानियों का नाम उनके न रहने के बाद भी चल रहा है। दधीचि ने तो वज्र बनाने के लिए इंद्र को अपना कंकाल तक दान कर दिया था। कर्ण को आज सभी सबसे बड़े दानी के रूप में जानते हैं। जबकि केवल संचय करने और दान न करने वाले बड़े बड़े राजा महाराजाओं का आज कोई नाम लेने वाला भी नहीं है। इन मधुमक्खियों ने भी आजीवन केवल संचय ही किया है, कभी दान नहीं किया। इसलिए आज अपनी संपत्ति को नष्ट होते देखकर इन्हें दुःख हो रहा है। इसीलिए ये अपने हाथ पैर घिस रही हैं। अतः आवश्यकता से अधिक संचय हमेशा दुःख का कारण होता है। संचय किए हुए धन पर हमेशा राज दूसरे ही करते हैं, अतः कहा गया है की आप जितनी कमाई करते है उसका कुछ भाग अवश्य दान करे।

बच्चे को अलग सुलाना चाहिए या पेरेंट्स के साथ

आमतौर पर भारत में पेरेंट्स अपने छोटे बच्चों के साथ एक ही बिस्तर पर सोते हैं। इसे 'को-स्लीपिंग' कहा जाता है। इससे पेरेंट्स और बच्चे का रिश्ता मजबूत होता है। हालांकि अभी इसके फायदे और नुकसान दोनों पर बहस जारी है। दुनिया के जाने-माने बायोलॉजिकल एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ. जेम्स जे. मैकेना ने को-स्लीपिंग पर एक किताब लिखी है। इसका नाम 'सेफ इन्फेंट स्लीप एक्सपर्ट आंसर्स टू योर को-स्लीपिंग क्वेश्चन्स' है। डॉ. मैकेना की किताब इस बारे में जानकारी देती है कि कैसे को-स्लीपिंग बच्चे के विकास और पेरेंट्स की भलाई दोनों के लिए बेहद जरूरी है। डॉ. मैकेना ऑस्ट्रेलिया की 'नोट्रे डेम यूनिवर्सिटी' के 'मदर-बेबी बिहेवियरल स्लीप लेबोरेटरी' के डायरेक्टर भी हैं। उन्होंने अपना करियर यह समझने में समर्पित किया है कि जब बच्चे और पेरेंट्स एक साथ या अलग सोते हैं तो इसका उन पर क्या प्रभाव पड़ता है। उनके मुताबिक, पेरेंट्स को बच्चे के साथ सोना चाहिए, लेकिन सुरक्षित तरीके से। जब पेरेंट्स अपने छोटे बच्चे के साथ एक ही बिस्तर पर या एक ही कमरे में सोते हैं तो इसे को-स्लीपिंग कहते हैं। यह बच्चों की देखभाल का एक पारंपरिक तरीका है। जब बच्चा पैदा होता है तो उसके लिए मां का स्पर्श बहुत फायदेमंद होता है। इसीलिए प्री-मैच्योर बेबी व कम वजन वाले बच्चों की देखभाल के लिए कंगारू केयर की सलाह दी जाती है। इसमें मां और बच्चे को स्किन-टू-स्किन संपर्क में रखा जाता है। इससे बच्चे और मां के बीच का रिश्ता मजबूत होता है। साथ ही बच्चे की हार्ट रेट, ब्रीदिंग रेट और वजन में सुधार होता है। को-स्लीपिंग तीन तरह की होती है। रूम-शेयरिंग- इसमें पेरेंट्स और बच्चा एक ही कमरे में सोते हैं, लेकिन दोनों का बिस्तर अलग होता है। को-स्लीपिंग कॉम्बिनेशन- इसमें पेरेंट्स और बच्चा कुछ समय के लिए एक साथ सोते हैं और फिर अलग हो जाते हैं। बच्चे को साथ सुलाने को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। इसके लिए कोई उम्र निर्धारित नहीं है। हालांकि जन्म से 6 महीने तक माता-पिता को बच्चे के साथ जरूर सोना चाहिए क्योंकि इस दौरान बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग और केयर की ज्यादा जरूरत होती है। आमतौर पर 1 से 2 साल की उम्र तक बच्चे को पेरेंट्स के साथ सोने में कोई समस्या नहीं होती है। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें अलग कमरे में सोने के लिए प्रेरित किया जा सकता है, ताकि वे स्वावलंबी हो सकें। हालांकि हर बच्चा अलग होता है। कुछ बच्चे जल्दी स्वतंत्र हो जाते हैं, जबकि कुछ बच्चों को अधिक समय लगता है। इसलिए अपने बच्चे की जरूरतों को समझें और उसी के अनुसार निर्णय लें। जब बच्चा अपने पेरेंट्स के करीब होता है तो वह अधिक सुरक्षित महसूस करता है। इससे उसको अच्छी और गहरी नींद आती है। पेरेंट्स की मौजूदगी से बच्चे को रात में डर लगने या अकेलेपन का अहसास नहीं होता है। इससे उसकी नींद भी बार-बार नहीं टूटती है। एक साथ सोने से माता-पिता और बच्चे के बीच फिजिकल और इमोशनल जुड़ाव बढ़ता है। यह जुड़ाव बच्चे के विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इससे उसे अपने पेरेंट्स से प्यार और सुरक्षा का अहसास होता है। एक साथ सोने से रात में बच्चे को ब्रेस्टफीड कराने के लिए मां को बार-बार उठने की जरूरत नहीं पड़ती है। इससे वह और बेबी दोनों आराम से सो पाते हैं और ब्रेस्ट फीडिंग की फ्रीक्वेंसी भी मेंटेन रहती है। पेरेंट्स के करीब होने से बच्चे को सुरक्षित महसूस होता है, खासकर रात के समय जब उसे डर लग सकता है। माता-पिता का स्पर्श और उनकी मौजूदगी बच्चे को इमोशनल सपोर्ट देती है। इससे वह अधिक आत्मविश्वास महसूस करता है। बच्चे के साथ सोने से पेरेंट्स को उसकी देखभाल करने में आसानी होती है, जिससे उनका तनाव कम होता है। बच्चे को भी अपने माता-पिता के करीब होने से सुकून मिलता है। साथ ही उसे भी किसी भी प्रकार का तनाव नहीं होता है। बच्चे खासकर नवजात शिशुओं के साथ सोने से पेरेंट्स को उसकी हर गतिविधि पर नजर रखने में आसानी होती है। वे बच्चे की सांस लेने, हार्ट बीट और अन्य जरूरतों की निगरानी कर सकते हैं। 50 के दशक में अमेरिका के जाने-माने पीडियाट्रिशियन डॉ. बेंजामिन स्पॉक ने एक किताब लिखी थी। इसका नाम 'द कॉमन सेंस बुक ऑफ बेबी एंड चाइल्ड केयर' है। ये किताब बीसवीं सदी की सबसे अधिक बिकने वाली किताबों में से एक है। इस किताब में डॉ. स्पॉक ने सुझाव दिया है कि नवजात शिशुओं को अकेले सोने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। हालांकि इस किताब के पब्लिश होने के कुछ सालों बाद तमाम मनोवैज्ञानिकों और पीडियाट्रिशियन ने उनके तर्क को खारिज किया। उन्होंने प्रामाणिक रूप से बच्चे के साथ पेरेंट्स के सोने के महत्व को बताया। कुछ मामलों में नवजात शिशु के साथ सोना संभावित रूप से खतरनाक हो सकता है। कई बार बच्चे भारी बिस्तर या एडल्ट शरीर से खुद को बाहर नहीं निकाल पाते हैं। इससे उनके फंसने, दम घुटने और सडेन इन्फेंट डेथ सिंड्रोम (एसआईडीएस) का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा को-स्लीपिंग में थोड़ी सी असावधानी शिशु के लिए खतरनाक हो सकती है।

अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में 64 वाहन मशीनरी जब्त

▼ पुलिस में 39 एफआईआर दर्ज

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ प्रदेश में खान विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई जारी है। भीलवाड़ा, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, दौसा, डूंगरपुर आदि में 2 जेसीबी सहित 64 मशीनरी और वाहन जब्त किये गये हैं वहीं भीलवाड़ा में 35 और भरतपुर में 4 कुल 39 एफआईआर दर्ज करवाई गई है। निदेशक माइन्स दीपक तंवर ने बताया कि अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई के निर्देश सभी फील्ड अधिकारियों को दिए गए हैं और चैकिंग व्यवस्था को चाकचोबंद रखने को कहा गया है। एसएमई विजिलेंस जयपुर प्रताप मीणा की टीम ने कार्रवाई करते हुए 3 वाहन जब्त कर करीब 3 लाख 45 हजार रु. का जुर्माना वसूल किया है। दौसा एएमई एलसी मीणा की टीम ने एक जेसीबी और 2 ट्रेक्टर जब्त किये है। इसी तरह से सवाई माधोपुर एएमई राजेन्द्र भट्ट ने 6 वाहन पर कार्रवाई कर 5 लाख 43 हजार की राशि वसूल कर ली है।

एमई भरतपुर केसी गोयल की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 जेसीबी और 4 ट्रेक्टर ट्राली जब्त करने के साथ ही सिकरी डीग में 4 एफआईआर भी दर्ज करवाई है। डूंगरपुर में कार्रवाई करते हुए एमई सुरेश अग्रवाल की टीम ने दो डंपर जब्त कर डूंगरपुर कोतवाली के सुपुर्द किये हैं। एसएमई ओम प्रकाश काबरा ने बताया कि जिला कलक्टर भीलवाड़ा द्वारा गठित संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि एमई भीलवाडा महेश शर्मा और एमई बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल में मिलाकर 6 मशीन और 39 वाहन जब्त किये गये हैं। टीमों द्वारा पुलिस थानों में 35 एफआईआर दर्ज कराई गई है। विभाग द्वारा कार्रवाई जारी है।

'एडवांस मेडिटेशन प्रोग्राम' 'मौन की गूंज' 3 से 6 अप्रैल तक

प्रख्यात अंतरराष्ट्रीय शिक्षक सुखी भैया के मार्गदर्शन में होने वाले कार्यक्रम को लेकर साधकों व शहरवासियों में भारी उत्साह

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। आर्ट ऑफ लिविंग, श्रीगंगानगर द्वारा मौन में गहरे ध्यान पर आधारित एडवांस मेडिटेशन प्रोग्राम 'मौन की गूंज' 3 अप्रैल, बृहस्पतिवार से 6 अप्रैल, रविवार तक आयोजित किया जा रहा है। मीडिया प्रभारी संजय सिंगल ने बताया कि आधुनिक जीवनशैली की आपाधापी में अपने ही अंतर्तम के साथ गहरे विश्राम, अभूतपूर्व शांति और असीम ऊर्जा का अनुभव कराने वाला यह कार्यक्रम आर्ट ऑफ लिविंग के प्रख्यात अंतराष्ट्रीय शिक्षक सुखी भैया के मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा। प्रातकाल से लेकर सायंकाल तक चलने वाले इस कार्यक्रम में तीनों दिन सेवा-साधना-सत्संग का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक महिलाएं-पुरुष व युवक-युवतियां मोबाइल नंबर 9828039381, 9828587335, 9549811929 पर सम्पर्क करके रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इस कार्यक्रम को लेकर साधकों व शहरवासियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा समस्त शहरवासियों से एडवांस मेडिटेशन प्रोग्राम 'मौन की गूंज' में उत्साहपूर्वक अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

टांटिया मेडिकल कॉलेज में बीसीएमई संपन्न

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। डॉ. एसएस टांटिया मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में तीन दिवसीय बेसिक कोर्स इन मेडिकल एजुकेशन (बीसीएमई) संपन्न हुआ। वर्ष 2019 में एमबीबीएस के कोर्स में आए बदलाव की जानकारी संबंधित शिक्षकों तक बेहतर तरीके से पहुंचाने के उद्देश्य से हुई बीसीएमई के अंतिम दिन विशेषज्ञों ने कोर्सेज से जुड़ी विभिन्न जानकारियों पर चर्चा करते हुए कोर्स में बदलाव पर मंथन किया । डिप्टी डायरेक्टर (मेडिकल एजुकेशन) गुरभजनसिंह ने बताया कि रोहतक के पंडित बीडी शर्मा पीजीआईएमएस स्थित नेशनल मेडिकल कमीशन के क्षेत्रीय कार्यालय के तत्वावधान में हुए आयोजन में कमीशन के समन्वयक डॉ. विवेक मलिक मौजूद थे। कॉलेज की मेडिकल एजुकेशन यूनिट के बैनर तले हुए आयोजन में यूनिट के को-ऑर्डिनेटर डॉ. मनवीरसिंह, यूनिट के चेयरमैन और डीन डॉ.जगजीव शर्मा की भी भागीदारी रही। यूनिट के को-ऑर्डिनेटर डॉ.सिंह, डॉ.प्रियंका चहल, डॉ.डिंपल कपूर, डॉ.अमृथ स्वामी, डॉ.सीमा, डॉ. विक्रम अरोड़ा और डॉ. नदीम शेख ने विभिन्न जानकारियां दीं। नए पाठ्क्रम में विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करते हुए नवीनतम जानकारियां प्रतिभागी डॉक्टर्स के साथ सांझा की गई।

बसपा ही सुशासन दे सकती है: सीपी सिंह

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का कार्यकर्ता सम्मेलन गुरुवार को जंक्शन स्थित रविदास मंदिर में संपन्न हुआ। इस अवसर पर पार्टी के केंद्रीय समन्वयक सीपी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बसपा ही देश में सच्चा सुशासन ला सकती है और आमजन के हितों की रक्षा कर सकती है। सीपी सिंह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे क्षेत्र में अधिक से अधिक बैठकें आयोजित करें और जनता को कांग्रेस और भाजपा की नीतियों के बारे में जागरूक करें। उन्होंने कहा कि लंबे समय से देश पर शासन कर रही ये दोनों पार्टियां केवल पूंजीपतियों के हित में कार्य कर रही हैं और आम मेहनतकश जनता के अधिकारों को नजरअंदाज कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जब तक बसपा सत्ता में नहीं आएगी, तब तक देश की जनता का भला नहीं हो सकता।

मेगा कार्पेंटर्स मीटिंग का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। क्शन टेसा भारत में एमडीएफ, एचडीएचएमआर ,बॉइलो एवं पार्टिकल बोर्ड जैसे इंजीनियर्ड पैनल उत्पादों के सबसे बड़े निर्माता और लकड़ी पैनल उद्योग में अग्रिणी है। एक्शन टैसा ने देशव्यापी उत्पादों की एक श्रृंखला के साथ गर्व से मेगा कार्पेंटर्स मीटिंग का आयोजन 19 मार्च को पुलिस थाना रोड में स्तिथि जाट भवन, हनुमानगढ़ जंक्शन में किया गया। आयोजन में कम्पनी के रीजनल मैनेजर श्री विजय जी गोयल मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव राधेश्याम जोशी एवं कम्पनी के प्रतिनिधि उपस्थित थे लोगों को विजय गोयल जी ने संबोधित किया।

सीबीजी प्लांट और एलएनजी बिक्री केन्द्र की संभावनाओं की तलाश आरंभ: टी. रविकान्त

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव माइन्स एवं चेयरमेन राजस्थान स्टेट गैस टी. रविकान्त ने कहा है कि राजस्थान स्टेट गैस अपने कार्यों में विविधिकरण करते हुए कंप्रेस्ड बायोगैस सीबीजी के उत्पादन प्लांट और लिक्विफाईड नेचुरल गैस एलएनजी उपलब्ध कराने के लिए बिक्री केन्द्र खोलने की दिषा में संभावनाएं तलाशी जा रही है। उन्होंने कहा कि सीएनजी, पीएनजी के साथ ही ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में यह राजस्थान स्टेट गैस का ब?ता कदम होगा।

चेयरमेन राजस्थान गैस टी. रविकान्त ने यह जानकारी आरएसजीएल की संचालक मण्डल की बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि कोटा में आरएसजीएल के कार्य को और अधिक गति दी जाएगी ताकि कोटावासियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों तक सीएनजी पीएनजी सुविधाएं और अधिक तेजी से विस्तारित हो सके।

राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक

रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा कोटा में 12 सीएनजी स्टेषनों के माध्यम से सीएनजी सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। कोटा के नौ क्षेत्रों कुन्हाडी बस स्टेण्ड, कोटा एयरपोर्ट, राजस्थान टेक्निकल विश्वविद्यालय, पुलिस लाइन, डीआरएम ऑफिस, डकनिया तालाब रेल्वे स्टेशन, ओपन एयर पिक्चर हॉल, सिटी रेल्वे स्टेशन बोरखे?ा और कोटा रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में आधारभूत ढांचागत कार्य जारी होने के साथ ही पाईप लाईन से घरेलू गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं और नए कनेक्शन जारी किये जा रहे हैं।

रणवीर सिंह ने बताया कि कोटा में 12 सीएनजी स्टेशनों के साथ ही नए सीएनजी स्टेशन शुरु करने और अपग्रेड करने की योजना है।

इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक विवेक रंजन, सीएफओ दीप्तांशु पारीक, उपप्रबंधक आईटी गगनदीप राजोरिया ने प्रगति से अवगत कराया। गौरतलब है कि राजस्थान स्टेट गैस राज्य सरकार का संयुक्त उपक्रम है और इसमें गैल गैस और आरएसपीसीएल की संयुक्त भागीदारी है।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पीलीबंगा बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पीलीबंगा व रावतसर द्वारा दिनांक 22 मार्च 2025 (शनिवार) को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पीलीबंगा रावतसर की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जा रही है। इस बैठक में संगठन को मजबूत करने, आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने तथा कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठकों में प्रमुख एजेंडा संगठनात्मक समीक्षा व मजबूती रहेगा आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बूथ स्तरीय समीक्षा , कार्यकर्ताओं की भूमिका और दायित्व जनहित के मुद्दों पर चर्चा भी की जाएगी कांग्रेसजन, विशेष रूप से मंडल अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य, बूथ अध्यक्ष एवं बूथ एजेंटों से अनुरोध है कि वे अवश्य पधारें। पीलीबंगा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बैठक। स्थान- अरोड़ा वंश धर्मशाला, डबली मौलवी। समय- सुबह 10:00 बजे आयोजित की जाएगी रावतसर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बैठक स्थान- अग्रसेन धर्मशाला, रावतसर। समय- दोपहर 2:00 बजे रखा गया है संगठन को और अधिक मजबूत बनाएगी!

स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स एण्ड डिस्टीलरी मजदूर संघ की कार्यकारिणी भंग की

❑ मनमोहन शर्मा संयोजक नियुक्त ❑ एक सप्ताह में कार्यकारिणी का किया जाएगा नवगठन: ग्रेवाल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय मजदूर संघ, श्रीगंगानगर द्वारा राज. स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स एण्ड डिस्टीलरी मजदूर संघ, श्रीगंगानगर की कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है। संगठन को सक्रिय करने के लिए जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र सिंह ग्रेवाल ने भारतीय मजदूर संघ पदाधिकारियों व सदस्यों से विचार-विमर्श के पश्चात् उक्त निर्णय लेते हुए मनमोहन शर्मा को राज. स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स एण्ड डिस्टीलरी मजदूर संघ, श्रीगंगानगर का संयोजक नियुक्त किया है। जिलाध्यक्ष कुलविन्द्र सिंह ग्रेवाल ने बताया कि नवनियुक्त संयोजक मनमोहन शर्मा द्वारा एक सप्ताह में राज. स्टेट गंगानगर शुगर मिल्स एण्ड डिस्टीलरी मजदूर संघ की बैठक का आयोजन किया जाएगा तथा भारतीय मजदूर संघ जिलाध्यक्ष की सहमति से कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। उन्होंने कहा कि नवगठित कार्यकारिणी में संगठन के प्रति समर्पित निष्ठावान व ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाएंगे, ताकि संगठन और अधिक सक्रिय व मजबूत हो सके तथा अधिकाधिक श्रमिक लाभान्वित हो सकें।

किसानों पर कार्रवाई के विरोध में आक्रोश, न्याय की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। संयुक्त किसान मोर्चा ने देशभर में किसानों के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपा। मोर्चे ने पंजाब सरकार द्वारा किसानों पर की गई कार्रवाई की कड़ी निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। संयुक्त किसान मोर्चा ने कहा कि फरवरी 2024 से किसान शंभू और खन्नौरी बॉर्डर पर शांतिपूर्वक धरना दे रहे थे। उनकी मुख्य मांग न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी कानून बनाने की थी। इसके अलावा, अन्य मांगों को लेकर भी किसान सरकार से संवाद कर रहे थे। 19 मार्च 2025 को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और अधिकारियों के साथ किसान नेताओं की बैठक सकारात्मक माहौल में हुई। सरकार ने आगे की वार्ता के लिए तारीख भी

निर्धारित की, जिससे किसानों को उम्मीद जगी कि उनकी समस्याओं का जल्द समाधान होगा। हालांकि, बैठक के कुछ ही घंटे बाद पंजाब सरकार ने किसान नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद शंभू और खन्नौरी बॉर्डर पर बैठे किसानों को भी जबरन हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने टेंट उखाड़ दिए और किसानों के ट्रैक्टरों और अन्य साधनों को नुकसान पहुंचाया। मोर्चा का आरोप है कि इस दौरान स्थानीय असामाजिक तत्वों को भी किसानों के खिलाफ इस्तेमाल किया गया। संयुक्त किसान मोर्चा ने इसे विश्वासघात बताते हुए कहा कि जब सरकार बातचीत के माध्यम से समाधान की ओर बढ़ रही थी, तब इस तरह की कार्रवाई करना लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ किया गया दुर्व्यवहार निंदनीय है और इस घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दी जानी चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वे आंदोलन तेज करेंगे। मोर्चे ने केंद्र सरकार से एमएसपी पर गारंटी कानून सहित सभी लंबित मांगों को तत्काल मानने की अपील की है।

कॉलोनी के पट्टे जारी न होने से जनसुनवाई शिविर में परिवाद सौंपा

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। नगर पालिका सूरतगढ़ द्वारा लगभग साढ़े छः वर्ष पूर्व औद्योगिक क्षेत्र के पास किशनपुरा आबादी के नजदीक काटी गई कॉलोनी के पट्टे अभी तक जारी न होने से परेशान भूखंड क्रेताओं ने गुरुवार को ज़िला स्तरीय जनसुनवाई शिविर में जिला कलेक्टर से मिलकर परिवाद सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने जिला स्तरीय जनसुनवाई में अवगत कराया की नगर पालिका सूरतगढ़ द्वारा सितंबर 2018 में औद्योगिक क्षेत्र के पास एक आवासीय कालोनी काटी गई थी जिसके कुल 150 भूखंडों में से लगभग 50 भूखंड खुली नीलामी के द्वारा विक्रय किए गए थे। लगभग 80त्न लोग पूरी राशि जमा करवा चुके हैं लेकिन उन्हें नगर पालिका द्वारा पट्टे जारी नहीं किए गए है। नगर पालिका न्यायालय के स्थगन का हवाला दे रही है जबकि यह स्थगन नीलामी के एक वर्ष बाद आया था। नगर पालिका चाहती तो उस एक वर्ष में पट्टे जारी कर सकती थी। नगर पालिका ढंग से न्यायालय में पैरवी भी नहीं कर रही इस वजह से पिछले 6 वर्ष बाद भी कोर्ट में मामला ज्यों का त्यों है। भूखण्ड खरीददार अनिल रांका,संजय बैद और पन्नालाल वैष्णव ने कलेक्टर को बताया तरमीम के ऊपर कोई स्थगन नहीं है। ईमानदारी से तरमीम करवा कर मामले का तुरंत समाधान हो सकता है। इस गंभीर समस्या का प्राथमिकता से समाधान करवाया जावे ताकि सरकार को पूरे पैसे जमा करवा चुके भूखंड त्रेताओं को उनका अधिकार मिल सके और सरकार के प्रति विश्वास की भावना कायम रह सके। गौरतलब है कि इसी विधानसभा सत्र में सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गैदर भी इस मामले को विधानसभा में प्रमुखता से उठा चुके हैं।

अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर वीजा धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़

▼ पंजाब-हरियाणा समेत कई राज्यों में सक्रिय

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। अमेरिकी दूतावास की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने वीजा धोखाधड़ी के बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों से संचालित है। पुलिस ने गिरोह के 30 से अधिक बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है। चाणक्यपुरी स्थित अमेरिकी दूतावास ने इस संबंध में शिकायत दी थी। एफआईआर के मुताबिक, मई से अगस्त, 2024 के बीच धोखाधड़ी हुई। दूतावास ने ऐसे 21 मामलों का पता लगाया, जिनमें वीजा एजेंट और आवेदकों की मिलीभगत से धोखाधड़ी की साजिश रची गई थी। यह मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिकी सरकार, वीजा धोखाधड़ी और अवैध आव्रजन पर सख्ती बरत रही है। दूतावास

ने 31 आरोपियों के नाम दिए हैं। इनमें वीजा एजेंट और आवेदन कर्ता शामिल हैं। इन पर बैंक स्टेटमेंट, शैक्षिक प्रमाणपत्र और रोजगार रिकॉर्ड जैसे दस्तावेज की जालसाजी करने का आरोप है। एफआईआर के अनुसार, एजेंटों ने अमेरिकी ऑनलाइन वीजा आवेदन में झूठी जानकारी दी और आवेदकों को फर्जी दस्तावेज उपलब्ध कराए, ताकि वे धोखाधड़ी से वीजा प्राप्त कर सकें। जांच के दौरान दूतावास को पता चला कि कई वीजा एजेंट फर्जी दस्तावेज तैयार करने के लिए आवेदकों से एक लाख से 15 लाख रुपये तक वसूल रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि दूतावास ने प्राथमिकी में एक ऐसे मामले का जिक्र किया है, जिसमें एजेंट ने वीजा हासिल करने की प्रक्रिया में मदद के बदले आवेदक से 13 लाख रुपये की मांग की थी। पुलिस ने बताया कि गिरोह में शामिल अन्य लोगों की तलाश के लिए छापे मारे जा रहे हैं।

बच्चो, हम हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस यानी 'वर्ल्ड वाटर-डे' मनाते हैं। जल का हमारे जीवन में क्या महत्व है, विश्व जल दिवस हम किन उद्देश्यों को लेकर मनाते हैं, इस बारे में तुम्हें जरूर जानना चाहिए।

जीवन है जल आओ करें संरक्षित

बच्चो, जीवन के लिए हवा, भोजन और पानी तीनों बहुत जरूरी हैं। हम तभी जीवित रह सकते हैं, जब सांस लेने के लिए हवा मिले, पेट भरने के लिए भोजन और प्यास लगने पर पानी मिले। पृथ्वी पर अगर पानी न हो तो जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। बच्चो, इस संदर्भ में तुम्हें यह भी जानकारी होनी चाहिए कि हमारी पृथ्वी का लगभग 71 प्रतिशत हिस्सा जल से भरा है, लेकिन हम जो पानी उपयोग कर सकते हैं, वह पृथ्वी पर मौजूद पानी का एक प्रतिशत से भी कम हिस्सा है, जिसे हम मीठा पानी कहते हैं। यह स्वच्छ और मीठा पानी दिन-प्रतिदिन कम होता जा रहा है। आज इसके संरक्षण की बहुत आवश्यकता है।

विश्व जल दिवस की शुरुआत

जीवन के लिए जल के महत्व को समझते हुए और विश्व में लगातार स्वच्छ और पेय जल की कमी को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र यानी यूनाइटेड नेशंस द्वारा प्रत्येक वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस को मनाने का निर्णय लिया गया। 22 मार्च 1993 को पहला विश्व जल दिवस यानी 'वर्ल्ड वाटर-डे' मनाया गया। इसके बाद से प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस मनाया जाता है।

हर साल रहती है एक थीम

यूनाइटेड नेशंस के संगठनों के परामर्श से प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस की एक थीम रखी जाती है। 2025 की थीम है-ग्लेशियर संरक्षण। बच्चो, तुम्हें पता होगा कि ग्लेशियर दुनिया में मीठे पानी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्रोत है। भविष्य में हमारे सामने जल संकट न आए, इसके लिए इन ग्लेशियरों का बचा रहना बहुत जरूरी है। बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग और अन्य कई कारणों से ये ग्लेशियर बहुत ही तेजी से पिघल रहे हैं। 'ग्लेशियर संरक्षण' थीम दुनिया के ग्लेशियरों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देगी। हम अपने ग्लेशियरों को कैसे बचाएं, इसके लिए लोगों को जागरूक करेगी।

क्या हैं इसके उद्देश्य

अब विश्व जल दिवस के उद्देश्यों की बात करते हैं। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं-सभी को पीने योग्य साफ मीठा पानी मिले। इसके लिए पानी को सही तरीके से साफ किया जाए। पानी को जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल किया जाए। पानी की बर्बादी को रोका जाए। इसके साथ ही हम ऐसे नेचर-फ्रेंडली कदम उठाएं, जिससे ग्लोबल वार्मिंग कम हो।

क्या-क्या होता है आयोजन में

विश्व जल दिवस के अवसर पर दुनिया भर में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पर्यावरणविद और नीति निर्माता, समुदाय और संगठन जल संकट और इसके समाधान के उपायों पर चर्चा करते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में भी जल संरक्षण और प्रबंधन पर सेमिनार और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। स्थानीय समूह और स्वयंसेवी संगठन (एनजीओ) नदियों, झीलों और अन्य जल निकायों (वाटर बॉडीज) की सफाई करते हैं। इसके अलावा अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े सेलिब्रिटीज लोगों को पानी की बर्बादी न करने और पर्यावरण अनुकूल आदतें अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। *

जल संरक्षण के लिए तुम भी करो प्रयास

बच्चो, तुम भी अपने छोटे-छोटे प्रयासों से जल संरक्षण में अपना योगदान दे सकते हो, जैसे-

- घर में पानी के उपयोग न होने पर नल बंद कर दो।
- अपने दोस्तों को भी जल बचाने के महत्व के बारे में बताओ।
- जल संरक्षण के बारे में जरूरी फैक्ट और इसका महत्व आकर्षक पोस्टर और वीडियोज बनाकर लोगों को बताओ।
- किसी एनजीओ या संगठन से वॉलंटियर के रूप में जुड़कर अपने आस-पास की प्रदूषित नदियों, झीलों और समुद्र तटों को साफ करने के कामों में अपना योगदान दो।

बच्चो, दूध पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत ज्यादा लाभकारी है। इसीलिए इसे 'कंप्लीट फूड' भी कहा जाता है। इंसान ने गाय के दूध दुहने की शुरुआत कब से की, दूध के प्रमुख स्रोत क्या हैं, जानो।

गाय के दूध की कब से हुई शुरुआत

बच्चो, दूध तो तुम सभी पीते होगे, लेकिन क्या तुम्हारे मन में कभी ये सवाल आया कि दुनिया में सबसे पहले गाय के दूध यानी काऊ मिल्क का इस्तेमाल कब किया गया? या फिर काऊ मिल्क के उपयोग का सबसे पुराना साक्ष्य कब का मिलता है?

हजारों सालों से उपयोग हो रहा गाय का दूध: मान्यताओं के अनुसार गाय के दूध का प्रयोग मानव सभ्यता के आदिकाल से किया जाता रहा है। साक्ष्यों की बात करें तो प्राचीन नगर बेबीलोन (वर्तमान इराक देश) के निकट लगभग पांच हजार साल पुराना एक मंदिर खोजा गया है। मंदिर की दीवारों पर अनेक चित्र उकेरे हुए हैं। एक चित्र में लोगों को गाय का दूध निकालते हुए दिखाया गया है।

चित्र में क्या दिखाया गया है: बेबीलोन के मंदिर से प्राप्त चित्र में एक व्यक्ति पीछे की तरफ से दूध निकाल रहा है, वह एक स्टूल जैसी चीज पर बैठा हुआ है। अन्य व्यक्ति जमीन पर रखे कंटेनर में दूध ले रहे हैं। एक तीसरा समूह पत्थर के विशाल जारों में निकाले गए दूध को एकत्र कर रहे हैं। इस चित्र से ऐसा प्रतीत होता है कि हजारों साल पहले भी गाय से दूध निकालने, इसके इस्तेमाल करने के साथ-साथ गाय के दूध का व्यापार भी काफी संगठित था।

आधुनिक युग में दूध के प्रमुख स्रोत: आज जो दूध हम इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रमुख स्रोत गाय के अलावा भैंस, बकरी आदि जंतु भी हैं। इसके अलावा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में वहां पाए जाने वाले अन्य जानवरों के दूध का भी प्रयोग किया जाता है। जैसे-एशिया महाद्वीप में अलग-अलग स्थानों पर गाय-भैंस के अलावा ऊंटनी, घोड़ी, याक और भेड़ जैसे जानवर भी दूध के प्रमुख स्रोत हैं। बर्फीले इलाकों में रहने वाली एस्किमो और लैपलैंडर्स जनजाति दूध के लिए कारिबोऊ और रेनडियर का उपयोग करते हैं। हमारे भारत और सेंट्रल एशिया के देशों में गाय के साथ-साथ भैंस भी दूध का प्रमुख स्रोत है। *

दूध है कंप्लीट फूड

बच्चो, दूध को संपूर्ण भोजन यानी 'कंप्लीट फूड' कहा जाता है। इसमें कई सारे पौष्टिक तत्व एवं न्यूट्रीएंट्स, जैसे- कैल्शियम, फॉस्फोरस, प्रोटीन, मिल्क शुगर (लैक्टोज) और मिल्क प्रोटीन (कैसीन) आदि पाए जाते हैं। दूध आसानी से पच जाता है, इसलिए ये तत्व हमारे शरीर में जल्दी और सही ढंग से एब्जॉर्ब हो जाते हैं। इसलिए बच्चो हमें रोज दूध पीना चाहिए।

देशप्रेम की रोमांचक कहानी

बच्चो, 'ये देश हमारा है' देशप्रेम की भावना जगाने वाला एक रोचक-रोमांचक बाल उपन्यास है। इसमें पांच एनसीसी कैडेट्स सक्षम, अक्षय, हार्दिक, आराध्या और मान्यता ट्रेनिंग कैंप के लिए सेना के अधिकारी कैप्टन ज्ञानेंद्र वर्मा के साथ हिमालय के सीमावर्ती इलाके में जाते हैं। लेकिन वे सब जिस हेलीकॉप्टर में जा रहे होते हैं, उसका एक्सीडेंट हो जाता है। उनकी जान तो बच जाती है लेकिन वे घने जंगल में फंस जाते हैं। वहां दुश्मन देश के सैनिक कैप्टन वर्मा को पकड़ लेते हैं। फिर उन्हें छुड़ाने के लिए सक्षम किस बुद्धिमानी से उन सबका पीछा करता है? कैसे पांचों बहादुर बच्चे जंगल के निवासियों की मदद से देश के दुश्मनों के गुप्त अड्डे का पता भारतीय सेना को बताकर अदम्य साहस का परिचय देते हैं, यह जानने के लिए तुमको यह रोमांचक उपन्यास पढ़ना होगा। पांच बच्चों की देशभक्ति और साहस से भरी यह कहानी पढ़कर तुम्हारे मन में भी अपने देश के लिए कुछ करने की भावना प्रबल हो उठेगी।

किताब: ये देश हमारा है (बाल उपन्यास), **लेखक:** संजीव जायसवाल 'संजय', **मूल्य:** 199 रुपए, **प्रकाशक:** फ्लाईड्रीम्स पब्लिकेशंस, दिल्ली

हिंदी ज्ञान / आशा शर्मा

बच्चो, निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के रिक्त स्थानों में एक ही शब्द भरा जाएगा। उस उपयुक्त शब्द को भरकर इन मुहावरों/लोकोक्तियों को पूरा करो।

1. ...... का धुला होना।
2. ...... का ...... और पानी का पानी करना।
3. ...... के दांत टूटना।
4. ...... का जला छाछ भी फूंक कर पीता है।
5. ...... दही की नदियां बहना।
6. छठी का ...... याद आना।
7. ...... के कुल्ले करना।
8. ...... में खट्टा डालना।

कौए को भाया काला रंग

एक दिन कौआ बहुत उदास था। उसकी इस उदासी की वजह थी-उसके पंखों का काला रंग। लेकिन जब कई पक्षियों ने आकर कौए को अपनी-अपनी आपबीती सुनाई तो उसे लगा कि उसका काला रंग सबसे अच्छा है। इन पक्षियों ने ऐसी क्या आपबीती कौए को सुनाई, जो उसे अपना काला रंग भा गया?

कौआ पेड़ की डाल पर चुपचाप बैठा था। उसके काले-चमकीले पंख धूप में चमक रहे थे। लेकिन उसे अपने पंखों का काला रंग पसंद नहीं था। इसलिए वह उदास था। तभी बगल की डाल पर एक गौरैया आकर बैठ गई। पहले तो कौए ने उधर ध्यान नहीं दिया, लेकिन जब एकाएक उसकी नजर गौरैया के पंखों पर पड़ी तो वह चौंक पड़ा! उसके पंखों में गुलाबी रंग लगा हुआ था। कौआ हंस पड़ा, उसने पूछा, 'अरे! तुम्हारे पंखों को यह क्या हुआ?'

गौरैया कुछ नहीं बोली। उदासी से मुंह लटका लिया। कौए को हैरानी हुई, वह बोला, 'तुम इसे साफ क्यों नहीं कर लेतीं?'

गौरैया उदास स्वर में बोली, 'मैंने बहुत कोशिश की। धूल में लोट-पोट मचाई। पोखर में छपछैया की, लेकिन जाने कैसा रंग है, छूटता ही नहीं। अब तो इन पंखों के झड़ने का इंतजार कर रही हूं, तभी इससे छुटकारा मिलेगा।' 'पर यह रंग लगा कैसे?' कौए को जिज्ञासा हुई। 'दरअसल...।' गौरैया ने बताया, 'तुम्हें तो पता ही है कि मैं इंसानों के बीच रहना पसंद करती हूं। एक दिन मैं एक घर की मुंडेर पर बैठी थी। मुझे आंगन में कुछ दाने पड़े दिखाई दिए।

भूख तेज लगी थी। मैंने आव देखा न ताव, दानों पर झपट पड़ी। जैसे ही मैंने चोंच मारी कि 'खट' की आवाज हुई और चारों तरफ अंधेरा छा गया।' 'अरे...!' कौआ हैरानी से बोला। 'हां, असल में कुछ शरारती बच्चों ने एक डलिया को लकड़ी के सहारे टिका रखा था और लकड़ी को रस्सी से बांधकर छिप गए थे। मैं दानों के चक्कर में जैसे ही अंदर पहुंची कि उन्होंने रस्सी खींच ली और मैं डलिया के अंदर बंद हो गई। फिर वे मुझे पकड़ कर बहुत देर तक मेरे साथ खेलते रहे। जब मन भर गया तो मेरे पंखों पर रंग लगाकर छोड़ दिया।' गौरैया ने बताया।

'पर उन्होंने ऐसा क्यों किया?' कौए ने पूछा। गौरैया ने वजह बताई, 'वे कह रहे थे कि मैं जहां कहीं उड़ती दिखूंगी तो वे मुझे पहचान लेंगे।' गौरैया अपनी कहानी बताकर चली गई। तभी दो कबूतर उड़कर उधर आ बैठे। उनमें एक के माथे पर नीला और दूसरे के लाल रंग का धब्बा लगा हुआ था। 'क्या तुम्हें भी शरारती बच्चों ने पकड़ लिया था?' कौए ने उत्सुकता से पूछा।

'नहीं तो..!' दोनों कबूतर एक साथ बोले। 'तो फिर तुम्हारे माथे पर रंग कैसे लगा हुआ है?' कौए ने जानना चाहा।

'यह तो हमारे मालिक ने लगाया है ताकि वे हमें पहचान सकें।' लाल धब्बे वाले कबूतर ने दुख के साथ बताया।

'हम दोनों पक्के दोस्त हैं, लेकिन बड़ी मुश्किल से मिल पाते हैं। हम दोनों के मालिक अलग-अलग हैं। वे हमें मिलने ही नहीं देते।' नीले धब्बे वाले कबूतर ने लंबी सांस लेते हुए कहा। 'चलो, अब अपने दड़बे में वापस लौटने का समय हो गया है। वर्ना हमारे मालिक हमें ढूंढते हुए यहां भी आ पहुंचेंगे।' यह कहते हुए दोनों कबूतर अपने पंखों से 'सन-सन-सन' आवाजें निकालते हुए वापस चले गए। कबूतरों के जाते ही एक बगुला हांफता हुआ उधर आ गया। उसके पंखों पर कीचड़ और काई जमी हुई थी।

कौए ने पूछा, 'बगुले भाई, तुम्हारे पंख कैसे गंदे हो गए?' बगुला उबासी लेता हुआ बोला, 'मैं दिन भर काई भरे कीचड़-पानी में रहता हूं। बिना हिले-डुले चुपचाप खड़े रहने से पंखों पर गंदगी चढ़ जाती है। इसीलिए मेरे पंख गंदे रहते हैं।' 'लेकिन पानी से धोने पर ये साफ भी तो हो सकते हैं।' कौए ने कहा।

'हां, पर कीचड़ में घुसने पर फिर लग जाती है। इसलिए मैं इसे साफ करने की तरफ ध्यान ही नहीं देता।' कहकर बगुला धीमे से हंसा और वहां से चला गया। कुछ ही देर में वहां सतभैये आकर चहचहाने लगे। कौए ने ध्यान से देखा तो एक का रंग बिल्कुल पीला हो रहा था। कौए ने सोचा शायद वह इन सबका लीडर होगा। लेकिन जब कौए ने पूछा तो उसने बताया, 'एक बार हम लोग एक घर के आंगन में उछल-कूद मचा रहे थे। आंगन में खाने-पीने की चीजें सूखने को रखी थीं। हल्दी का पावडर भी रखा था। अचानक एक बिल्ली हम पर झपट पड़ी। बिल्ली का हमला देखकर सब तो भाग लिए पर मैं हड़बड़ी में हल्दी के टोकरे में जा गिरा। वह दिन है और आज का दिन, पंखों से यह रंग उतरता ही नहीं।'

उसकी बात पर चहचहा रहे सतभैये चुप हो गए। फिर उनमें से एक ने कौए के पंखों की ओर देखते हुए कहा, 'लेकिन तुम्हारे पंखों का रंग सबसे अच्छा है। काले रंग पर कोई दूसरा रंग चढ़ ही नहीं सकता।' 'हां, मुझे अपना काला रंग पसंद है।' कौए ने कहा और खुशी से अपने पंख फैला दिए। उसके पंखों पर सुनहरी धूप चमकने लगी। *

गर्मी में बढ़ता बीमारियों का खतरा, बदलें अपने खानपान के तरीके

मार्च का महीना आधे से ज्यादा बीत चुका है। अब हर दिन तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगी। गर्मी बढ़ने के साथ ही लू, डिहाइड्रेशन और थकान जैसी समस्याएं आम हो जाएंगी। इस मौसम में खुद को स्वस्थ और एनर्जेटिक बनाए रखना किसी चुनौती से कम नहीं है। गर्मियों में शरीर को सामान्य और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है। सही खानपान, पर्याप्त पानी, हल्के कपड़े और स्किन केयर जैसी अच्छी आदतें अपनाकर न केवल इस मौसम का आनंद लिया जा सकता है, बल्कि आने वाले गर्म दिनों में भी खुद को फिट और एक्टिव रखा जा सकता है। तेज धूप और अधिक टेम्परेचर के कारण शरीर का तापमान भी असंतुलित हो सकता है। लू लगने की वजह से सिरदर्द, चक्कर आना या कमजोरी की स्थिति बन सकती है। इसके अलावा इस मौसम में शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी हो सकती है। बासी या दूषित भोजन और गंदे पानी से पेट में इन्फेक्शन हो सकता है, जिससे उल्टी, दस्त और फूड पॉइजनिंग हो सकती है। इसके लिए सबसे जरूरी है शरीर को हाइड्रेटेड रखना। दिनभर भरपूर मात्रा में पानी पिएं और नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ जैसी नेचुरल ड्रिंक्स लें। इससे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी। इसके अलावा हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें, जिससे पसीना आसानी से सूख सके और बैक्टीरिया न पनपें। टाइट और सिंथेटिक कपड़े पहनने से बचना चाहिए क्योंकि वे नमी को रोकते हैं और स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ाते हैं। साथ ही कुछ अन्य बातों का भी ध्यान रखना जरूरी है। सीनियर डाइटीशियन डॉ. पूनम तिवारी बताती हैं कि शरीर के टेम्परेचर को कंट्रोल करने में पाचन तंत्र की अहम भूमिका होती है। गर्मी में जब शरीर अधिक गर्म होता है तो वह पाचन के बजाय शरीर को ठंडा रखने पर अधिक एनर्जी खर्च करता है। 'गैस्ट्रिक मोटिलिटी' (पाचन तंत्र की गति) भी धीमी हो जाती है, जिससे खाना पचने में अधिक समय लगता है। यही कारण है कि गर्मियों में लोगों को अक्सर भारीपन, अपच और एसिडिटी की शिकायत होती है। इसके अलावा गर्मियों में गट माइक्रोबायोम (आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया) भी प्रभावित होते हैं। हाई टेम्परेचर और पानी की कमी के कारण अच्छे बैक्टीरिया कम हो सकते हैं, जिससे पाचन तंत्र असंतुलित हो सकता है और इन्फेक्शन की संभावना बढ़ सकती है। खानपान का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। ऐसे में गर्मियों में सही डाइट न लेने से डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए अपनी डाइट में हल्का भोजन, पर्याप्त न्यूट्रिएंट्स और हाइड्रेटिंग चीजों शामिल करना चाहिए। इसके लिए पॉइंटर्स में दी इन बातों का ध्यान रखें। खाने का सही समय और मात्रा निर्धारित करें। ज्यादा देर तक भूखे रहने या बहुत ज्यादा खाने से बचें। रात का खाना हल्का ही खाएं, जिससे बेहतर नींद आए और पाचन तंत्र भी सही रहे। अधिक मिर्च-मसाले और जंक फूड पाचन तंत्र पर ज्यादा जोर डालते हैं, जिससे एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। इसलिए गर्मी में तेल-मसाले और तली-भुनी चीजें खाने से बचें। इस मौसम में भोजन जल्दी खराब हो सकता है।

रंग भरो

बच्चो, यहां जंगल में मस्ती करते कुछ एनिमल्स का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

जम्मू कश्मीर की जेलों में बढ़े देश विरोधी गतिविधियों से जुड़े कैदी

अधिकांश बंदी यूएपीए के

जनमार्ग न्यूज

जम्मू। प्रदेश में देश के विरुद्ध जाने वालों की संख्या बढ़ रही है। जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों की संख्या इसी ओर इशारा करती है। बीते एक वर्ष के आंकड़ों पर गौर किया जाए तो ये एकमात्र ऐसा अपराध है, जिसके कैदी सबसे अधिक बढ़े। सूत्रों का कहना है कि जम्मू कश्मीर में एनआईए, एसआईए जैसी एजेंसियों द्वारा कड़ा शिकंजा कसने से ऐसा हुआ है। अधिकतर मामलों में इन एजेंसियों ने आतंकियों की मदद करने वालों पर कार्रवाई की है। आतंकी संगठनों के लिए वित्तीय मदद करने, रसद, आश्रय देने वालों को दबोचा गया। जिनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। कश्मीर संभाग के अलावा जम्मू में भी बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। जेल विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में 31 जनवरी तक जम्मू कश्मीर की विभिन्न जेलों में यूएपीए के तहत 829 कैदी थे। ये आंकड़ा 31 जनवरी 2025 तक 895 पहुंच गया है। इस तरह से 66 लोगों का इजाफा एक वर्ष में हुआ है। यहीं नहीं, जेलों में बंद कुल कैदियों की संख्या को देखें तो 4400 कैदियों में इस अपराध के ही 895 हैं। इस हिसाब से प्रदेश में होने वाला ये तीसरा सबसे बड़ा अपराध है। यूएपीए के बाद सबसे अधिक कैदी एनडीपीएस के 1247 हैं। 972 हत्याओं और 534 दुष्कर्म के हैं। हैरत की बात ये भी है कि बीते एक वर्ष में जेलों में बंद कैदियों की संख्या दूसरे मामलों में कम हुई है, सिर्फ यूएपीए के तहत कैदियों की संख्या बढ़ी है। देश के खिलाफ गैर कानूनी गतिविधियों को लेकर यूएपीए में मामला दर्ज होने पर आरोपी आसानी से छूटते नहीं हैं। इनके ऊपर ऐसी कार्रवाई जरूरी भी है। पिछले कुछ समय से पुलिस की तरफ से ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तेज की गई है। खासतौर पर आतंकी समर्थकों पर। पुलिस को ये कार्रवाई आगे भी जारी रखनी चाहिए। बता दें कि बीते वर्ष नेशनल क्राइम ब्यूरो रिकार्ड (एनसीआरबी) ने वर्ष 2020 से 2022 तक की रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट के तहत (यूएपीए) में देशभर में दर्ज होने वाले कुल मामलों में 33 फीसदी अकेले जम्मू कश्मीर के थे। वर्ष 2020 में जम्मू कश्मीर में 287, 2021 में 289 और 2022 में 371 मामले इस अपराध के तहत दर्ज हुए। इस आंकड़े के साथ जम्मू कश्मीर देश में यूएपीए के तहत मामले दर्ज करने में पहले नंबर पर था।

राज्यपाल को सौंपा गया नायक जाति के अधिकारों से जुड़ा ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अखिल भारतीय नायक महापरिषद के प्रदेशाध्यक्ष नारायण नायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान के माननीय राज्यपाल महोदय को सर्किट हाउस में ज्ञापन सौंपा। ज्ञात रहे कि दो दिवस पूर्व मुख्यमंत्री के आवास पर प्रतिनिधिमण्डल ने भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर उक्त विषय पर चर्चा की थी। इस ज्ञापन में नायक जाति को अनुसूचित जनजाति की समस्त सुविधाएँ दिलाने तथा सरकारी पोर्टल पर जाति नाम की शुद्धि की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के तहत नायक जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल किया गया था। राजस्थान सरकार द्वारा 2008 में बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के नायक को 'नायका' में परिवर्तित कर दिया गया, जो कि संविधान द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं के विपरीत है। ज्ञापन में बताया गया कि भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नायक जाति को अनुसूचित जनजाति की मान्यता देने के पत्र जारी किए गए, लेकिन राज्य सरकार ने इस संबंध में कोई उचित कार्यवाही नहीं की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा 2000 में दिए गए एक फैसले का हवाला देते हुए कहा गया कि अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की सूची में कोई बदलाव केवल संसद के माध्यम से किया जा सकता है, न कि प्रशासनिक आदेशों द्वारा। प्रतिनिधिमंडल ने इस तथ्य को भी उजागर किया कि 1921 की जनगणना, भारत सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के दस्तावेजों तथा 1969 की जनगणना रिपोर्ट में नायक जाति को अनुसूचित जनजाति के रूप में दर्ज किया गया है। ऐसे में नायक समाज को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित करना अन्यायपूर्ण है। नारायण नायक ने मांग की कि नायक जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में यथावत रखा जाए और उन्हें सभी संवैधानिक सुविधाएँ प्रदान की जाएँ। उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया कि वे इस मामले में हस्तक्षेप कर केंद्र सरकार के आदेशों को लागू करवाने में मदद करें। राज्यपाल महोदय ने उक्त विषय पर गंभीरता व्यक्त करते हुए उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नायक समाज के लोग उपस्थित रहे।

किराये का मकान दिलाने के नाम पर तीन करोड़ की ठगी

❑ आरोपी खुद को बताते थे मालिक

नई दिल्ली (जनमार्ग न्यूज)। आर्थिक अपराध शाखा ने खुद को मालिक बताकर लोगों को किराये और लीज पर मकान देने का झांसा देकर ठगी करने वाले एक आरोपी को उसकी महिला सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी समझौता पत्र के जरिये लोगों से सुरक्षा राशि हड़प लेते थे। आरोपी एनजीओ चलाता है। दोनों सौ से अधिक लोगों से करीब तीन करोड़ रुपये की ठगी कर चुके हैं। इस मामले में एक आरोपी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों की पहचान राजू सिंह और रीमा जायसवाल के रूप में हुई है। आर्थिक अपराध शाखा के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमृता गुगुलोथ ने बताया कि बुराड़ी निवासी सुखबीर सिंह ने साल 2023 में शाखा में ठगी की शिकायत की थी। उन्होंने रोहन सिंह नाम के एक व्यक्ति से बुराड़ी के लाल दरवाजा में एक फ्लैट किराये पर लिया था। इसके एवज में उनके बीच चार लाख रुपये का सुरक्षा समझौता हुआ था। शिकायतकर्ता ने रोहन सिंह को 3.88 लाख रुपये का भुगतान किया। बाद में शिकायतकर्ता को पता चला कि यह मकान रोहन सिंह का नहीं बल्कि सुंदरेश्वर कुमार सुमन का है। शिकायत पर शाखा ने ठगी का मामला दर्ज कर लिया। इस दौरान आरोपी के खिलाफ सौ से ज्यादा पीड़ितों ने इसी तरह की शिकायत की। आरोपी ने लोगों से करीब तीन करोड़ रुपये की ठगी की थी। पीड़ितों ने बताया कि सुरक्षा राशि मांगने पर आरोपी ने गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि पूरे मामले के सरगना राजू सिंह और रीमा जायसवाल है। आरोपियों ने पीड़ितों को खुद को मकान मालिक बताकर सुरक्षा राशि के बदले पीड़ितों को संपत्ति लीज पर दे दी। पीड़ितों के आरोपों की पुष्टि के लिए पुलिस ने उनके बैंक खातों की जांच की। उसके बाद पुलिस ने आरोपी रोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सरगना पहुंच से बाहर थे। पुलिस ने इनकी तलाश शुरू की। पुलिस ने तकनीकी जांच कर नत्थूपुरा निवासी आरोपी राजू और बुराड़ी निवासी रीमा जायसवाल को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने कई नकली समझौता पत्र बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी राजू सिंह एक एनजीओ चलाता है और रीमा जायसवाल इस मामले के तीसरे आरोपी रोहन सिंह की करीबी है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

जलभराव को लेकर मीटिंग

गुरुग्राम। गुरुग्राम में मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने अभी से कवायद शुरू कर दी है। डीसी अजय कुमार ने मानसून से पहले जलभराव वाले स्थानों पर उचित प्रबंध करने के संबंध में जीएमडीए, एनएचएआई और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक बुलाई और जलभराव की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक का वार्षिकोत्सव 23 मार्च को

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक का वार्षिकोत्सव चैत्र कृष्ण पक्ष नवमी 23 मार्च, रविवार को सायं 4.15 बजे बालाजी धाम के सामने स्थित विद्यालय प्रांगण में हर्षोल्लासपूर्वक धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। विद्यालय व्यवस्थापक सुरेन्द्र चनाणी ने बताया कि धर्म संघ संस्कृत महाविद्यालय के आचार्य कल्याण स्वरूप जी के परम सानिध्य में होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीयादे माटी कला बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद राय टाक तथा विशिष्ट अतिथि टांटिया यूनिवर्सिटी के मोहित टांटिया एवं सिद्धपीठ श्री झांकीवाले बालाजी भजन मंडल के मुख्य सेवादार प्रेम अग्रवाल 'गुरुजी' होंगे एवं अध्यक्षता पुलिस उप महानिरीक्षक गौरव यादव करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अ.भा. शारीरिक शिक्षा एवं संस्कृति बोध परियोजना संयोजक दुर्ग सिंह राजपुरोहित होंगे। प्रधानाचार्य गीता सामंत एवं विद्यालय स्टाफ के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए जिला व्यवस्थापक अशोक अग्रवाल, जिला सचिव मदन बिश्नोई, उपाध्यक्ष रामप्रताप चांदोरा, व्यवस्थापक सुरेन्द्र चनाणी, प्रमोद चौहान, रमाकांत शर्मा सहित समस्त विद्यालय स्टाफ सदस्य उत्साहपूर्वक जोर-शोर से तैयारियों में जुटे हुए हैं। आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक द्वारा समस्त शहरवासियों से वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

179 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा, पांच रहे गैर हाजिर

जनमार्ग न्यूज

चूनावढ़। स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय केंद्र में दसवीं बोर्ड परीक्षा शुक्रवार को हुई प्रधानाचार्य अमरजीत सिंह सिद्ध ने बताया कि इस परीक्षा केंद्र पर दो ततारसर के सरकारी व9ए एक निजी ,चुनावढ के दो सरकारी व एक निजी आदि गांवों के चार राजकीय व दो निजी विद्यालयों के 179 विद्यार्थी पंजीकृत हैं दसवीं साइंस विषय की परीक्षा में 179 विद्यार्थी उपस्थित रहे जबकि पांच विद्यार्थी गैर हाजिर रहे।

'घर-घर सुरक्षा पाइप अभियान' का आगाज

गैस उपभोक्ता सुरक्षा की दृष्टि से आईएसआई मार्का प्रमाणित नारंगी रंग की गैस पाईप ही उपयोग करें : नागपाल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एलपीजी गैस उपभोक्ताओं को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए 'घर-घर सुरक्षा होज (पाइप) अभियान' का आगाज किया गया है। एचपी गैस डिस्ट्रीब्यूटर पंकज नागपाल ने बताया कि इस अभियान के तहत आईएसआई प्रमाणित नारंगी रंग की गैस पाईप का उपयोग करने के लिए उपभोक्ताओं को प्रेरित किया जा रहा है। गैस रेगुलेटर, पाइप तथा गैस चूल्हा आदि की सुरक्षा सम्बन्धी जाँचे एचपी गैस कम्पनी से प्रशिक्षित कर्मचारी द्वारा ही की जाती है।

पंकज नागपाल ने बताया कि जांच के दौरान देखा गया है कि कुछ घरों में अत्यंत हल्की गुणवत्ता वाली गैस पाइप का उपयोग किया जा रहा है, जो कि सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत घातक है तथा इससे कभी भी गैस लीक होने पर बड़ी दुर्घटना होने व जानमाल के नुकसान की आशंका बनी रहती है। उन्होंने एचपी गैस उपभोक्ताओं से आईएसआई मार्का एचपी कम्पनी द्वारा प्रमाणित नारंगी रंग की गैस पाईप ही उपयोग करने का आह्वान किया है तथा बाजार में बिक रही मिलती-जुलती नॉन आईएसआई पाइपों से सावधान करते हुए कहा कि प्लास्टिक की पाईप अत्यंत घातक व जानलेवा है। इससे कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए असली चुने 'असली जैसा नहीं' के तहत उपभोक्ता आईएसएस मार्का एचपी कम्पनी द्वारा प्रमाणित नारंगी रंग की गैस पाईप का ही उपयोग करें। उन्होंने बताया कि गैस उपभोक्ताओं के घरों में हल्की व नॉन आईएसआई पाईप पाए जाने पर मौके पर ही आईएसआई मार्का एचपी कम्पनी द्वारा प्रमाणित नारंगी रंग की गैस पाइप उपभोक्ताओं के घरों में लगाई जा रही है, जिसका शुल्क मात्र 190 रुपये है, जिस पर पांच साल की गारंटी दी जा रही है, यानि मात्र 10 पैसे प्रतिदिन के खर्च पर उपभोक्ता नकली पाइप से होने वाले जोखिम से बच सकते हैं। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए गैस रेगुलेटर खराब होने पर कम्पनी द्वारा हाथों-हाथ नया रेगुलेटर प्रदान किया जा रहा है, जिसका कोई चार्ज नहीं लिया जा रहा है। उपभोक्ताओं को हर 5 साल के बाद अवश्य अपने पुराने होज (पाइप) को नए होज (पाइप) में बदलने, नारंगी रंग को देखकर धोखा नहीं खाने तथा पाँच साल टेंशन फ्री रहने के लिए प्रमाणित गैस पाइप का उपयोग करने का संदेश दिया जा रहा है। पंकज नागपाल ने कहा कि उपभोक्ताओं की सजगता व जागरूकता से ही गैस सिलेंडर के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव सम्भव है, इसलिए उन्होंने सबसे आवश्यक सावधानियों की पालना करने तथा एचपी गैस एजेंसी द्वारा प्रदत्त सुविधाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान भी किया है।

शराब कारोबारी हत्याकांड में एक और गिरफ्तारी

एनसीआर के ठेकों में गैंगस्टरों का बढ़ रहा दखल, 2 भाइयों की हो चुकी हत्या

जनमार्ग न्यूज

गुरुग्राम। गुरुग्राम के हयातपुर गांव में शराब कारोबारी बलजीत यादव की हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच ने खेड़ा खुरमपुर के रहने वाले मुख्य शूटर टेकचंद के बाद दूसरे आरोपी मोहित को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बेरी गेट झज्जर का रहने वाला है और उसके खिलाफ पहले भी कई मामले दर्ज हैं। पूछताछ में पता चला है कि बलजीत यादव का भतीजा और शराब कारोबारी दिनेश यादव शूटरों के निशाने पर था, लेकिन कन्फ्यूज में बलजीत यादव पर गोलियां बरसा दी। इन्वेस्टिगेशन में ये भी सामने आया है कि एनसीआर के जिलों में चल रहे शराब के धंधे पर बड़े गैंगस्टरों की नजर है और बड़े ठेकों में उनका इंटरफेयर बढ़ रहा है। इससे पहले गुरुग्राम के खोह गांव में भी शराब कारोबारी दो भाइयों की हत्या हो चुकी है। पुलिस इन्वेस्टिगेशन में ये भी सामने आया है कि झज्जर में दिनेश यादव व बलजीत यादव शराब के ठेकों का संचालन करते हैं। वहां पर शराब के ठेके लेने को लेकर दो ग्रुप बने हुए हैं। इसमें से एक ग्रुप की दिनेश यादव व बलजीत यादव फाइनेंशियल स्पोर्ट करते हैं, ताकि झज्जर में शराब के ठेकों पर उनके ग्रुप का एकाधिकार हो सके।

एमपी में 2 दिन गिरेंगे ओले, आंधी भी चलेगी

जनमार्ग न्यूज

भोपाल। मध्यप्रदेश में 3 सिस्टम के एक्टिव होने से मौसम पूरी तरह से बदल गया है। गर्मी के दिनों में ओले, बारिश और आंधी वाला मौसम है। गुरुवार को भोपाल, सागर, सीहोर, रीवा समेत 20 से ज्यादा जिलों में मौसम बदला रहा। कहीं ओले गिरे तो कहीं तेज आंधी चली और हल्की बारिश हुई। ऐसा ही मौसम शुक्रवार को भी बना रहेगा सिंगरौली और मंडला में आज शुक्रवार को गरज-चमक के साथ बारिश हुई। 24 घंटों के दौरान मंडला में 1 मिमी बारिश दर्ज की गई है। डिंडौरी में बूंदाबांदी हो रही है।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान दमोह, कटनी, उमरिया, शहडोल, डिंडौरी और अनूपपुर में ओले गिर सकते हैं। मुरैना, ग्वालियर, भिंड और दतिया में तेज आंधी चलने का ऑरेंज अलर्ट है।

भद्रकाली मेला में व्यवस्थाओं को लेकर बैठक

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। भद्रकाली मेला में व्यवस्थाओ को लेकर आज जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक मे गत 41 वर्षो से भद्रकाली मेला में विभिन्न व्यवस्थायें करते आ रहे हनुमानगढ़ सेवा समिति (भारत क्लब) ने बैठक मे श्रदालुओ की सुविधाओ के लिये सुझाव देते हुये निम्न व्यवस्था करवाने हेतु विभिन्न विभागो को निर्देशित करने का आग्रह किया जिससे कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। समिति के अध्यक्ष मदन गोपाल जिंदल व कोषाध्यक्ष अनिल जिंदल ने जिला कलेक्टर को आग्रह करते हुए बताया कि माँ भद्रकाली मन्दिर जाने वाली सड़क हनुमानगढ़ टाउन मोड़ से मन्दिर तक सड़क की चौड़ाई 82 फीट की है। इस सड़क का वर्तमान में सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा चौड़ाई करण कर पु:न निर्माण किया जा रहा है, परन्तु कार्य की गति बहुत धीमी है। अत: उक्त सड़क को मेले से पूर्व चलने योग्य बनाने हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग को निर्देशित करने, हनुमानगढ़ जंक्शन क्षेत्र की पार्किंग जो कि देवस्थान विभाग द्वारा की जाती है जो कि मेला क्षेत्र के बिल्कुल बीचो-बीच मे है जिससे भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है, गत वर्ष इस पार्किंग के कारण सम्पूर्ण दिन मेला क्षेत्र में अव्यवस्था रही थी। कृपया उक्त पार्किंग को मेला क्षेत्र से बाहर बनाने हेतु देवस्थान विभाग को निर्देशित करने, हनुमानगढ़ टाउन से निकलते ही भद्रकाली मोड़ से जे.आर. कॉटन फैक्ट्री तक अंधेरा पसरा रहता है, रास्ते में रोशनी हेतु नगरपरिषद हनुमानगढ़ को आदेश जारी करने,टाउन क्षेत्र से भद्रकाली मन्दिर की तरफ मुख्य मेले के दिन चार पहिया वाहनो को अमरपुरा थेड़ीमोड़ पर ही पार्किंग कर रोके जाने व पार्किंग क्षेत्र से ई-रिक्शा को मेला क्षेत्र तक जाने की अनुमति प्रदान की जावें। मेला क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था हेतु चिकित्सा दल मय रोगी वाहन दिनांक 30.03.25 से 06.04.25 तक सुबह 7.00 बजे से रात्रि 10.00 बजे तक उपस्थित रहने, मेला क्षेत्र में देव स्थान विभाग द्वारा नाम-मात्र की सफाई जाती है, कृप्या सुचारू रूप से सफाई हेतु देवस्थान विभाग को आदेश देने व मेला समाप्ति के पश्चात् सम्पूर्ण मेला क्षेत्र का पूर्णरूप से सफाई हेतु देवस्थान विभाग को निर्देशित करने, मेला क्षेत्र में सफाई, कचरा पात्र मय ऑटो टिप्पर व आगजनी की दुर्घटना रोकने हेतु दमकल वाहन हेतु नगरपरिषद हनुमानगढ़ को आदेश जारी करने, मेला क्षेत्र में प्रथम नवरात्रा 30 मार्च 2025 से 06 अप्रैल 2025 मेला समाप्ति तक सरस दूध, दही, पनीर इत्यादि का बूथ लगाने हेतु गंगमूल डेयरी को निर्देशित करने ,मेला क्षेत्र में पीने के पानी की व्यवस्था हेतु प्रतिदिन तीन टैंकर के लिए देवस्थान विभाग व एक ठण्डे पानी के टैंकर के लिए गंगमूल डेयरी को निर्देशित करने, मुख्य मेले के दिन मेला क्षेत्र में विभिन्न संस्थाओं व दुकानदारों द्वारा लाउड स्पीकर का उपयोग किया जाता है जिनमें कैसेट बजाई जाती है जिससे आने-जाने वाले श्रृद्वालुओं को व हनुमानगढ़ सेवा समिति जो कि मेला क्षेत्र में खोया-पाया केन्द्र का संचालन करती है, ऐसी स्थिति में संचालन के दौरान मुश्किलों का सामना करना पड़ता है अत: निवेदन है कि देवस्थान विभाग को ध्वनि प्रसारण यन्त्र यथा स्थान व केवल सुचनायें प्रसारित करने हेतु निर्देशित करने, मेला क्षेत्र में नवरात्रों के अवसर पर प्रथम नवरात्रा से ही श्रृद्वालु प्रात: 4.00 बजे से पैदल यात्रा पर आने शुरू हो जाते हैं व देर रात्रि तक यात्रा जारी रहती है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.34 लाख ठगे

गुरुग्राम। गुरुग्राम जिले में सरकारी नौकरी का झांसा देकर गांव तिरपड़ी की रहने वाली एक महिला से ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता कीर्ति ने थाना साइबर मानेसर में शिकायत दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और उसकी धनराशि वापस दिलाने की गुहार लगाई है। मामले की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कीर्ति ने बताया कि वह सोशल साइट इंस्टाग्राम चलाती है और एक पोस्ट में उसने सरकारी नौकरी का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन में एक मोबाइल नंबर पर संपर्क करने को कहा गया। जिस पर उसने फोन किया तो सामने से बात करने वाले व्यक्ति ने कहा कि वो सरकारी महकमे और निगम में नौकरी दिलवा देगा। वह उसकी बातों में फंस गईं और पैसे ट्रांसफर कर दिए।

नौकरी दिलाने के नाम पर 1.34 लाख ठगे

अनूपगढ़। अनूपगढ़ में साइबर ठगी का एक मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 5 के रहने वाले नेमीचंद के साथ एक ठग ने उनके परिचित महेंद्र मीणा बनकर 40,020 रुपए की ठगी कर ली। ठग ने नेमीचंद को वॉट्सऐप पर क्यूआर कोड भेजा। नेमीचंद ने दो बार में फोन पे से पैसे ट्रांसफर किए। पहली बार 15,000 रुपए और दूसरी बार 25,020 रुपए भेजे। ठगी का पता चलते ही पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि मामले की जांच कॉन्स्टेबल राजेंद्र को सौंपी गई। उन्होंने पैसों के ट्रांसफर को ट्रेस किया। ठग के पंजाब एंड सिंध बैंक खाते में राशि को होल्ड करवाया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को पूरी रकम वापस मिल गई। पुलिस ने लोगों को साइबर ठगी से बचने की सलाह दी है। साइबर अपराध का शिकार होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें पर शिकायत दर्ज करें। किसी अनजान लिंक को न खोलें और सोशल मीडिया अकाउंट का टू-स्टेप-वेरिफिकेशन जरूर करें।

जनमार्ग
श्रीगंगानगर
शनिवार, 22 मार्च 2025

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में व्यवहारियों से जीएसटी के संबंध संवाद कार्यक्रम का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिला कलक्टर डा. मन्जू की अध्यक्षता मे व्यवहारियो से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमे संयुक्त व्यापार मण्डल, श्रीगंगानगर ट्रेडर्स ऐसासिएशन, कच्चा आढ़तिया संघ एवं विभिन्न व्यवहारियो एवं टैक्स बार एसोसिएशन तथा सी0ए0 एसोसिएशन व विभागीय अधिकारियो ने भाग लिया । अतिरिक्त आयुक्त रामेन्द्र शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम मे सर्वप्रथम जिला कलक्टर द्वारा श्रीगंगानगर जिले के व्यवहारियो द्वारा की जा रही रिटर्न फाईलिंग की सराहना की तथा माह मार्च मे अधिकाधिक राजस्व राजकोष मे जमा करवाने हेतु प्रेरित किया । उसके उपरांत एक एक करके सभी ऐसोसिएषनस् के पदाधिकारियो से जीएसटी से संबंधित सुझाव एवं समस्यायों की जानकारी ली गई तथा निदान की जाने वाले समस्यायों का तुरंत निदान किया गया एवं सुझावों को मुख्यालय भिजवाने का आष्वासन दिया गया इसके अतिरिक्त जिला कलक्टर द्वारा पार्किग , अवारा कुत्तो की समस्या, एलएनटी, स्वच्छता अभियान तथा ग्रीन गंगानगर प्रोजेक्ट के बारे मे भी विचार विमर्ष किया गया। विभिन्न एसोसिएषनस् द्वारा पट्रोल एवं डीजल पर वैट दरों को कम करने तथा जीएसटी मे शामिल करने, टैक्स रेट रिजनेबल, नॉन ट्रेफिक जॉन, रजिस्ट्रेषन कैन्सेलषन, इत्यादी से संबंधित सुझाव रखे गये। इस कार्यक्रम मे अतिरिक्त जिला कलक्टर रीना, संयुक्त व्यापार मण्डल के अध्यक्ष तरसेम गुप्ता, कालीचरण अग्रवाल, सीए हैरी भटेजा, हरीओम लूथरा, चन्दुराम बदरा, नरेश सेतिया, अनूपगढ से विजय कुमार, मोहित छाबडा सहित विभिन्न एसोसिएषन के पदाधिकारी एवं व्यवहारीगण तथा विभागीय अधिकारियो ने भाग लिया।

एयरपोर्ट पर फ्लाइट में बैठे-बैठे यात्री की मौत

जनमार्ग न्यूज

लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शुक्रवार सुबह एक यात्री की मौत हो गई। यात्री फ्लाइट के अंदर बैठे-बैठे दम तोड़ दिया। यात्रियों के मुताबिक- युवक ने पहले पानी पिया फिर अचानक सीट पर बैठे-बैठे अचेत होने लगा। लैंडिंग के बाद सारे यात्री उतर गए, लेकिन वह बैठा ही रहा। इसके बाद फ्लाइट के क्रू मेंबर्स ने फौरन मेडिकल टीम को बुलाया, लेकिन तब तक यात्री की मौत हो चुकी थी। घटना एयर इंडिया की फ्लाइट ‹ढ्ढ-4825 की है। दिल्ली से आने वाली ये फ्लाइट सुबह 8.10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर लैंड हुई। मृतक आसिफ अंसारी दौला बिहार के गोपालगंज के रहने वाले थे। घटना के बाद फ्लाइट में मौजूद यात्रियों का कहना है कि यदि क्रू मेंबर्स ने समय रहते ध्यान दिया होता तो आसिफ की जान बचाई जा सकती थी। एयरपोर्ट प्रशासन की मेडिकल टीम को आने में भी काफी वक्त लगा। कई यात्रियों ने आसिफ के मुंह पर पानी भी छिड़का, लेकिन होश नहीं आया।

राष्ट्रगान का अपमान बर्दाश्त नहीं, केस दर्ज हो

- सीएम नीतीश कुमार पर भड़के तेजस्वी यादव
- बिहार विधानसभा में भारी हंगामा

पटना (जनमार्ग न्यूज)। बिहार विधानसभा में राष्ट्गान के अपमान के मुद्दे पर विपक्ष ने सीएम नीतीश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन किया। साथ ही केस दर्ज करने की भी मांग की गई। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने डिप्टी सीएम पर भी केस दर्ज करने की मांग की। सीएम का बचाव करते हुए मंत्री विजय चौधरी ने कहा कि देश की जनता जानती है कि वे राष्ट्गान का कितना सम्मान करते हैं। बिहार विधानसभा में शुक्रवार को राष्ट्गान के अपमान के मुद्दे पर विपक्ष ने सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। विधानसभा परिसर के साथ ही सदन के अंदर भी इसे लेकर प्रदर्शन हुआ और इस दौरान विपक्ष ने सरकार विरोधी नारे लगाए। विपक्ष के सदस्यों की मांग थी कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राष्ट्गान का अपमान किया है, उन्हें 140 करोड़ जनता से माफी मांगनी चाहिए। नेताओं ने भाजपा के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज करने की मांग की।

दरअसल, गुरुवार को पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्गान के दौरान मुख्यमंत्री लोगों का अभिवादन करते नजर आए थे। इस मसले पर संपूर्ण विपक्ष एकजुट हो गया है। शुक्रवार को बिहार विधानसभा में सरकारी कामकाज प्रारंभ हो इसके पूर्व संपूर्ण विपक्ष में हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विधानसभा पोर्टिको में जोरदार प्रदर्शन किया। विपक्ष ने मुख्यमंत्री में राष्ट्गान का अपमान करने का आरोप लगाया। विपक्ष के सदस्यों के इसी प्रदर्शन के बीच नेता प्रतिपक्ष और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रेस से बात की और कहा कि मुख्यमंत्री ने राष्ट्गान का अपमान किया है उन्हें देश की 140 करोड़ की जनता से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है हमें उनके स्वास्थ्य की चिंता है, मगर राष्ट्गान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। आज देश की 140 करोड़ जनता का सिर शर्म से झुक गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के खिलाफ उन्होंने विधानसभा में कार्य स्थगन प्रस्ताव भी दिया है और मांग की है कि सभी कार्य रोक कर इस पर बहस होनी चाहिए।

केंद्रीय मंत्री के मामा को बदमाशों ने मारी गोली...आरोपी गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

बेगूसराय। बेगूसराय में गुरुवार रात मुजफ्फरपुर सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी के चचेरे मामा मालिक सहनी को गोली मार दी। घटना चेरिया बरियारपुर थाना क्षेत्र के कुंभी भगवती स्थान के समीप की है। मालिक सहनी को इलाज के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बेगूसराय स्क्क मनीष ने बताया कि गुरुवार रात करीब 10ञ्00 बजे मालिक सहनी की दुकान पर फायरिंग हुई थी। इस दौरान घुटने में एक गोली लगी। घटना की सूचना मिलते ही मंझौल ष्ठस्क्क नवीन कुमार और चेरिया वरियारपुर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर घटना में शामिल 3 अपराधियों कुंभी गांव के निवासी देशु यादव उर्फ अमरेश कुमार, अमरजीत यादव और मगलू उर्फ सुशील कुमार पासवान को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना में उपयोग किया गया हथियार और दो बाइक बरामद कर लिया गया है। बदमाशों के पास से मोबाइल भी बरामद किया गया है। आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। उधारी का पैसा मांगने को लेकर बदमाशों ने गोली मारी थी।

आरबीआई के रिटायर्ड अधिकारी से 3 करोड़ की ठगी, फर्जी सीजेआई के सामने ऑनलाइन पेश किया

नोएडा में 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा

जनमार्ग न्यूज

नोएडा। नोएडा में आरबीआई के पूर्व अधिकारी और उनकी पत्नी को साइबर ठगों 15 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। बुजुर्ग दंपती को मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर 3 करोड़ रुपए ठग लिए। ठगों ने रिटायर्ड अधिकारी को ऑनलाइन फर्जी सीजेआई के सामने पेश किया। सीजेआई ने खाता सीज करने के आदेश दे दिए। 3 मार्च को ठगों ने सुप्रीम कोर्ट का एक आदेश भेजा, जिसमें कहा गया था कि सभी फंड वैध हैं। 6 से 7 दिनों के भीतर मेरे पैसे वापस आ जाएंगे। रुपए वापस नहीं आने पर पीड़ित ने 19 मार्च को साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में कथित विजय खन्ना, राहुल गुप्ता , विनय कुमार और आकाश कुलहरी के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज की है।

पीड़ित बिराज कुमार सरकार ने बताया कि मैंने अपने करियर की शुरुआत आरबीआई से की। इसके बाद 31 साल तक दूसरे बैंक को भी सेवाएं दीं। मैं कैसे डिजिटल अरेस्ट हो गया। मुझे विश्वास नहीं हो रहा।

नोएडा के सेक्टर-75 की गार्डेनिया गेटवे सोसाइटी में बिराज कुमार सरकार (78) अपनी पत्नी के साथ रहते हैं। उन्होंने रिपोर्ट में बताया- 25 फरवरी 2025 को मेरे पास अनजान नंबर से कॉल आई। कॉलर ने अपने को ट्राई का अधिकारी बताया। उसने एक नंबर बताया और कहा कि ये आपका नंबर है। मैने मना किया और कहा कि शायद मेरा पुराना नंबर है। कारण पूछते ही बताया कि ये नंबर ट्राई में बिराज कुमार सरकार के नाम से रजिस्टर्ड है।

कॉल करने वाले ने कहा- आपके खिलाफ कोलाबा मुंबई में शिकायत दर्ज है। इसके बाद उन्होंने मुझे कोलाबा पुलिस स्टेशन से जोड़ दिया। वहां कोलाबा पुलिस स्टेशन से कथित आईपीएस विजय खन्ना ने उनसे बातचीत की। इसके बाद केस को सीबीआई में ट्रांसफर किया गया।

वहां राहुल गुप्ता ने सीबीआई अधिकारी बनकर मुझसे बातचीत की और कहा कि नरेश गोयल को आप जानते है। आपके नंबर का प्रयोग मनी लॉन्ड्रिंग और निवेश में धोखाधड़ी करने के लिए किया है। उन्होंने मुझे कोलाबा पुलिस स्टेशन बुलाया। पीड़ित बिराज कुमार सरकार ने अपनी बीमारी और ऐज फैक्टर का हवाला दिया। कॉल करने वालों ने कहा- आप ऑनलाइन मामले को हैंडल कर सकते है। इसके लिए 26 फरवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश के सामने ऑनलाइन पेश किया जाएगा। ऐसा ही हुआ 26 फरवरी को उन लोगों ने स्काइप कॉल पर लिया और मुख्य न्यायाधीश के सामने पेश किया। उन्होंने मेरे सभी अकाउंट, एफडी को फ्रीज करने और पैसों को एसएसए (सीक्रेट सुपर विजन अकाउंट) में डालने का आदेश दिया। पीड़ित बिराज ने बताया- कॉल करने वाले विजय खन्ना और राहुल गुप्ता ने मुझे धमकी दी ये सारी बात सीक्रेट रखें। किसी से शेयर न करें। क्योंकि ये राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला है। अगर ऐसा करते हैं और हमें जानकारी मिलती है तो तत्काल आपकी गिरफ्तारी होगी। यही नहीं आपकी जान को भी खतरा है। इसलिए जैसा हम कहते है वैसा करते जाए। इसके बाद उनके बताए गए खातों में पैसा ट्रांसफर करता चला गया। इन 15 दिनों में करीब 3.14 करोड़ रुपए उनके बताए गए खातों में ट्रांसफर किए।

धीमी ओवर गति के कारण नहीं लगेगा बैन, कड़ी सजा जरूर मिलेगी

जनमार्ग न्यूज

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने आगामी आईपीएल से पहले सभी 10 टीमों के कप्तानों को राहत दी है। बीसीसीआई मुख्यालय में गुरुवार को हुई कप्तानों की बैठक में फैसला लिया गया कि धीमी ओवर गति के दोषी पाए जाने पर कप्तान पर बैन नहीं लगेगा। इसके बजाय उनके खाते में डीमेरिट अंक जुड़ेंगे। पिछले सीजन तक होता था कि अगर तीन बार धीमी ओवर गति का अपराध किसी टीम ने किया तो कप्तान पर एक मैच का बैन और 30 लाख रुपये का जुर्माना लगता था। पिछले साल के नियम के कारण मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आगामी आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ मैच नहीं खेल सकेंगे। बता दें कि मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच 23 मार्च यानी रविवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम पर मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच में हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। हार्दिक पांड्या से पहले ऋषभ पंत ने भी पिछले सीजन में बैन झेला था। वह दिल्ली कैपिटल्स के आखिरी ग्रुप मैच से बाहर थे। आईपीएल 2025 में पंत लखनऊ सुपरजायंट्स का नेतृत्व करेंगे। लखनऊ सुपरजायंट्स ने पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। बीसीसीआई सूत्र के हवाले से पीटीआई ने कहा, लेवल 1 अपराध पाए जाने पर 25 से 75 प्रतिशत मैच फीस की कटौती की जाएगी और डीमेरिट अंक जोड़े जाएंगे। यह तीन साल तक गिना जाएगा। लेवल 2 अपराध को गंभीर मानते हुए खाते में चार डीमेरिट अंक जोड़े जाएंगे। सूत्र ने आगे बताया, प्रत्येक चार डीमेरिट अंक जुड़ने पर मैच रेफरी पेनल्टी लगाएगा। या तो कप्तान पर 100 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगेगा या फिर अतिरिक्त डीमेरिट अंक जोड़ा जाएगा।

कुल्लू में नदी में नहाने गए दो आईटीआई स्टूडेंट डूबे

जनमार्ग न्यूज

सैंज (कुल्लू)। हिमाचल के कुल्लू जिले के सैंज घाटी में वीरवार को बिहाली गांव के नजदीक सैंज नदी में दिल दहलाने वाला हादसा सामने आया। यहां पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान थलौट (आईटीआई) जिला मंडी में प्रशिक्षण हासिल कर रहे दो प्रशिक्षु नदी में नहाने उतरे लेकिन पानी में लापता हो गए। दोनों की पहचान 18 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र गीतानंद निवासी मुराह, तहसील बालीचौकी जिला मंडी तथा 18 वर्षीय घनश्याम सिंह पुत्र दयाराम निवासी गांव काहरा, तहसील बालीचौकी के रूप में हुई है। यह हादसा दोपहर बाद करीब तीन बजे हुआ। पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा लेकिन पानी की गहराई को देखते हुए किसी का कोई पता नहीं चल पाया। प्रशासन ने गोताखोर भी बुलाए हैं। हालांकि, स्थानीय पांच लोगों ने भी नदी में प्रशिक्षुओं को ढूंढने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। यह दोनों प्रशिक्षु प्रैक्टिकल फील्ड वर्क के लिए पहली मार्च से विद्युत सब स्टेशन लारजी के अधीन कार्य कर रहे हैं। दोनों युवकों के स्वजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए। उधर, घटनास्थल पर एसडीएम बंजार पंकज शर्मा भी पहुंचे। इस दौरान नदी में बनी कृत्रिम झील को तोड़ने के लिए जेसीबी से भी प्रयास किया गया लेकिन दोनों का कहीं कोई सुराग नहीं लग पाया। एसपी कुल्लू डॉ. कार्तिकेयन गोकुलचंद्रन ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर जांच करनी आरंभ कर दी है। दोनों युवकों को खोजने का प्रयास जारी है।

महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय में वर्धमान हेल्थ डवलपमेंट सोसाइटी का सराहनीय योगदान

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। टाउन के महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय में आज वर्धमान हेल्थ डवलपमेंट सोसाइटी, हनुमानगढ़ जंक्शन द्वारा एक्स-रे विभाग के लिए केयर स्ट्रीम सीआर वीटा फ्लैक मॉडल भेंट किया गया। इस दान का उद्देश्य अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं को और अधिक उन्नत करना है, जिससे क्षेत्र के आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। इस अवसर पर वर्धमान हेल्थ डवलपमेंट सोसाइटी की अध्यक्ष बिंदिया जैन ने बताया कि समिति ने निर्णय लिया था कि अस्पताल में एक्स-रे विभाग को और अधिक सक्षम बनाने के लिए यह केयर स्ट्रीम सीआर वीटा फ्लैक मॉडल प्रदान किया जाए। यह आधुनिक तकनीक से युक्त है और मरीजों के एक्स-रे से संबंधित आवश्यकताओं को तेजी से पूरा करने में सहायक होगा। इस मौके पर सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती बिंदिया जैन,सचिव मिशा जैन,संरक्षक जयपाल जैन,कोषाध्यक्ष प्रिंस जैन, हितेशी जैन,कशवी,वैष्णवी, ध्रुव जैन ने महात्मा गांधी राजकीय चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ शंकर सोनी और लेखाधिकारी प्रथम नरेंद्र स्वामी को भेंट की। उन्होंने वर्धमान हेल्थ डवलपमेंट सोसाइटी के इस योगदान की सराहना की और इसे अस्पताल के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। समिति के संरक्षक जयपाल जैन ने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उन्नत बनाना है, ताकि आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। इस योगदान से एक्स-रे विभाग की कार्यक्षमता बढ़ेगी और मरीजों को तेज एवं सटीक जांच सेवाएँ उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा सोसायटी हमेशा सामाजिक,धार्मिक, चिकित्सा, शिक्षा व जन कल्याण हेतु अपने दायित्व में भागीदारी निभा रही है।

डेढ़ साल की मासूम समेत 3 की मौत

3 राइडर्स की बाइक सवार दंपति से टक्कर; नसबंदी के लिए जा रहा था परिवार

जनमार्ग न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद में धमतरी मुख्य मार्ग पर हुए सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। जिनमें एक डेढ़ साल की मासूम बच्ची भी शामिल है। हादसे में 4 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे में हासिर शैय्यद (25) और आनंद कुमार (27) की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों भिलाई पावर हाउस के रहने वाले थे। शुक्रवार सुबह करीब 9ञ्30 बजे हादसा हादसा हुआ। जानकारी के मुताबिक भिलाई से राइडर्स 3 बाइक से केशकाल के लिए निकले थे। वहीं बरही निवासी अक्षय कुमार यादव (27), पत्नी खिलेश्वरी यादव (25) और डेढ़ साल की बेटी दीक्षा के साथ नसबंदी ऑपरेशन के लिए जिला अस्पताल बालोद के निकले थे।

कॉग्रेस कमेटी की बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिला कांग्रेस कमेटी के कायालर्य में शहर ब्लाक कॉग्रेस कमेटी हनुमानगढ़ की एक महत्वपूर्ण बैठक आज आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुरेंद्र दादरी ने की। इस बैठक में पार्टी संगठन को मजबूती प्रदान करने और आगामी नगर पालिका, पंचायत समिति व जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस को सशक्त बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में पार्टी के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के मुख्य अतिथि हरिराम बन्ना, समन्वयक पीसीसी रहे, जबकि वशिष्ठ अतिथि के रूप में मनीष मक्कासर (सचिव पीसीसी) तथा भूपेंद्र चौधरी (सदस्य पीसीसी) मौजूद थे। इसके अतिरिक्त डीसीसी से प्रभारी सिराज खान संतलाल मेघवाल,गोविंद गोस्वामी कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष अश्वनी पारीक महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष वर्षा करमचंदानी गुरदीप चहल जिला महामंत्री डीईसी, मनोज सैनी महासचिव डीसीसी सहित अन्य कई वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल हुए। संगठन को मजबूत करने पर विशेष जोर दियाबैठक के दौरान कांग्रेस नेताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी चुनावों में पार्टी को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। शहर ब्लाक हनुमानगढ़ अध्यक्ष जिनेन्द्र जैन बेबी ने कहा कि आगामी नगर पालिका, पंचायत समिति एवं जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस को अधिक से अधिक सीटें जीतनी होंगी, जिससे पार्टी को मजबूती मिल सके। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को समर्पण और एकजुटता से कार्य करना होगा।बैठक के दौरान उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। मंच संचालन संगठन महामंत्री गुरमीत सिंह चन्दडा ने किया। बैठक में यशवंत क?वा,सुशीलसोनी, इशाक खान महासचिव डीसीसी, ओम प्रकाश कूकना ओम सोनी, प्रदीप सैनी, तनवीर खान, चंदन मोगा, राजवीर सिगलीगर, मदीना बानो, सोहन सागा, रामनिवास, मनीराम भाट, अमजद खान, नरेंद्र गोदारा, विकास सैनी, आनंद सोनी, शाहरुख खान, जावेद टाक, मानसिंह शाक्य, कुलविंदर सिंह, खुशी अमलानी, दीपक, इशाक चायनान, संदीप सिहाग, लोकेंद्र भाटी, मनमोहन सोनी, जयराम ढुकिया, सुशील सिलू, विजय टॉक, अनूप चौधरी सहित कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।कार्यकर्ताओं को संगठित होकर कार्य करने का संदेश बैठक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दिया गया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं और संगठन को हर स्तर पर मजबूत करें।

एक करोड़ के आभूषण चोरी, एमपी से पकड़ा गया चोर

जनमार्ग न्यूज

धनबाद। धनबाद पुलिस ने कोलकाता से मुजफ्फरपुर जा रही बस से एक करोड़ से अधिक कीमत के जेवर की चोरी मामले में बड़ी सफलता पाई है। पुलिस ने मध्य प्रदेश के धार जिला के मनावर थाना क्षेत्र के खेरवा जागीर गांव से चोर गिरोह के सरगना अकरम खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक करोड़ से अधिक मूल्य के सोना-चांदी और हीरे के आभूषण, रेडो कंपनी के दो डायमंड वॉच (एक-एक घड़ी की कीमत 5-5 लाख), टाइटेनिक कंपनी की एक घड़ी और दो लाख रुपए नगद बरामद कर लिए। अकरम ने गहने जमीन में गाड़ कर रखा था।

प्राथमिकी में सिर्फ पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन नामजद

571 करोड़ रुपये के सीसीटीवी कैमरे का मामला

जनमार्ग न्यूज

दिल्ली। आम आदमी पार्टी की सरकार में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) समेत अन्य विभागों के मंत्री रहे सत्येंद्र जैन के

खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर दर्ज मामले में सिर्फ उन्हीं को ही नामजद किया गया है। दूसरे नामों को लेकर अन्य लिखा हुआ है। दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) प्रमुख संयुक्त पुलिस आयुक्त मधुर वर्मा ने बताया कि सत्येंद्र जैन के खिलाफ आईं काफी शिकायतों में कहा गया है कि सीसीटीवी कैमरे भी पूरे नहीं लगाए गए थे। एसीबी अधिकारियों के अनुसार, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) के कर्मचारी की ओर से दी गई शिकायत में कहा गया है कि 571 करोड़ रुपये की कीमत के सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना में बीईएल पर लगाए गए 16 करोड़ रुपये के जुर्माने को पूर्व मंत्री ने 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर माफ कर दिया। कंपनी को कुल 1.40 लाख कैमरे लगाने थे। कंपनी पर जुर्माना लगने के बावजूद उसे 1.40 लाख सीसीटीवी लगाने का नया टेंडर भी दे दिया गया। ये भी आरोप है कि कैमरे अच्छी तकनीक व क्वॉलिटी वाले नहीं थे। इनमें से ज्यादा जगहों पर तो कैमरे लगाए ही नहीं गए। शिकायत में ये भी कहा गया है कि कई जगह लगाए गए कैमरे चले भी नहीं। शिकायतकर्ता ने कहा कि वह कंपनी की ओर से सीसीटीवी कैमरे लगाने की परियोजना में शामिल था। उसे पता है कि रिश्वत में रकम नकदी में दी व ली गई। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि एसीबी अब पीडब्ल्यूडी व बीईएल कंपनी के पदाधिकारियों का पता लगाएगी। उनका डाटा खंगाला जा रहा है। एसीबी कर्मचारियों व पदाधिकारियों का पता लगाने के लिए जल्द ही पीडब्ल्यूडी व बीईएल को पत्र लिखेगी।

सरकारी स्कूल में बिना अनुमति हरे पेड़ों की कटाई, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। जिले के चक 16 एमडी ग्राम पंचायत मटोरियांवाली ढाणी में स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में बिना किसी प्रशासनिक अनुमति के हरे पेड़ों की अवैध कटाई करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, विद्यालय परिसर में चारदीवारी से घिरी करीब 4 बीघा भूमि है, जहां 12 कमरे, शौचालय, रसोई घर और आंगनबाड़ी की व्यवस्था है। हाल ही में विद्यालय में 12×15 फीट का एक नया कमरा स्वीकृत हुआ, जिसके निर्माण के लिए पर्याप्त खाली जगह उपलब्ध है। बावजूद इसके, प्रधानाध्यापक मनमोहन शर्मा, ग्राम सरपंच के पुत्र बलदेव सिंह, उपाध्यक्ष सुभाष और एसएमसी अध्यक्ष गोपालराम की मिलीभगत से 6 हरे पेड़ काटकर बेच दिए गए। ग्रामीणों का आरोप है कि इन पेड़ों को आरा मशीन पर ले जाकर औने-पौने दामों में बेचा गया, जिससे लगभग 10 लाख रुपये के राजस्व का नुकसान हुआ। चौंकाने वाली बात यह है कि इस बिक्री का कोई भी रिकॉर्ड विद्यालय के खातों में दर्ज नहीं किया गया है। सूत्रों के अनुसार, आरोपितों ने पहले भी 60,000 रुपये मूल्य के वृक्ष अवैध रूप से बेच दिए

थे। इसके अतिरिक्त, इन लोगों ने 3.11 लाख रुपये में 40 और हरे पेड़ काटने की योजना भी बना रखी थी, जिसकी तैयारी भी बिना किसी कानूनी अनुमति के की जा रही थी। ग्रामीणों ने बताया कि 26 फरवरी 2025 को महाशिवरात्रि के राजकीय अवकाश का फायदा उठाकर आरोपितों ने चोरी-छिपे पेड़ कटवा दिए। मामले की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों ने विरोध किया और इस घटना की वीडियो भी बनाई, जिसे जांच के दौरान साक्ष्य के रूप में पेश किया जाएगा। इस प्रकरण में पूर्व में भी एक शिकायत दर्ज करवाई गई थी, लेकिन निष्पक्ष जांच न होने के कारण दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते उचित कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे विद्यालय के सामने धरना प्रदर्शन करेंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। जिला कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन पर प्रमुख रूप से विष्णुदत्त, रामगोपाल, दौलतराम, दीपक, सुभाष, अनिल, अजय, हेतराम, विकास, पवन, सतपाल, कैलाश सहित अन्य ग्रामीणों के हस्ताक्षर हैं, जो इस अन्याय के खिलाफ न्याय की मांग कर रहे हैं।

कोटा में 8 दिन के नवजात की हार्ट सर्जरी कर डॉक्टरों ने बचाई जान

2×2 सेमी छोटे हृदय लगाया पेसमेकर

जनमार्ग न्यूज

कोटा। कोटा जिले के एक निजी अस्पताल में 8 दिन के बच्चे को पेसमेकर लगाकर उसकी जिंदगी को बचाया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक बच्चे की हार्टबीट नॉर्मल से भी काम आ रही थी, लेकिन सर्जरी के बाद अब बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है। कार्डियक सर्जन डॉक्टर पलकेश अग्रवाल ने बताया कि बच्चे के परिजन 11 मार्च को उसको लेकर आए थे। बच्चे का जन्म चार मार्च को हुआ था। नवजात का वजन भी लगभग ढाई किलो के आसपास था। उसकी हार्ट रेट 40 से 50 बीट प्रति मिनट के बीच चल रही थी। नॉर्मली बच्चों की हार्ट रेट 110 से 120 बीट प्रति मिनट होती है। बच्चे की स्थिति को देखते हुए उसकी ईसीजी और कार्डियक इको करवाई गई। इसके बाद बच्चे की 12 मार्च को सर्जरी की गई। सर्जरी में करीब तीन घंटे का समय लगा। डॉ. पलकेश अग्रवाल ने बताया कि नवजात की छाती की साइड से दो सेंटीमीटर का चीरा लगाकर पेसमेकर लगाया गया। सर्जरी के बाद अब बच्चे की हार्ट रेट 120 चल रही है। साथ ही बच्चा अब मां का दूध भी पी रहा है। नवजात के सभी अंग बहुत नजदीक होते हैं। ऐसे में जनरल एनेस्थीसिया में बच्चों की सर्जरी की जाती है। इस प्रोसेसर में जरा सी लापरवाही बच्चों की जान पर भारी पड़ सकती है। उन्होंने बताया कि बच्चे के हृदय की धड़कन अनियमित होने पर यदि समय पर अगर इलाज नहीं होता तो गुर्दे लीवर और अन्य अंग काम करना बंद कर सकते थे। डॉ. पलकेश अग्रवाल ने बताया कि एक व्यक्ति का दिल मुट्ठी भर जितना बड़ा होता है, जिसमें पेसमेकर लगाने के लिए नसों के जरिए उसे लगाया जाता है, जबकि 8 दिन के बच्चे का दिल मात्र 2×2 सेंटीमीटर का होता है। उसमें पेसमेकर लगाने के लिए सर्जरी करनी पड़ती है।

फर्जी किन्नरों के खिलाफ किन्नर समुदाय ने उठाई आवाज

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। गुरूवार को किन्नर समुदाय के लोगों ने जंक्शन थानाप्रभारी लक्ष्मण सिंह को एक परिवाद देकर शहर में घूम रहे फर्जी किन्नरों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान निवर्तमान सभापति सुमित रणवां ने बताया कि हाल ही में कुछ किन्नर जयपुर में विधायक आवास पर गए थे और वहां हनुमानगढ़ में जयपुर के किन्नरों को क्षेत्र दिलवाने की बात कही थी। इस पर विधायक ने स्पष्ट रूप से कहा था कि किन्नर समुदाय का कार्य किन्नर समुदाय के बीच ही होना चाहिए, जिससे विवाद का समाधान संभव हो सके। पार्षद नगीना बाई और गुरू छन्नो बाई चेला सरबती ने जानकारी दी कि हनुमानगढ़ की एक लड़की जो 2-3 वर्षों से घर से लापता थी, अब जयपुर में

किन्नरों के पास रहने लगी है। यह लड़की अब अपना नाम रजनी बाई किन्नर बताकर एक मोबाइल नंबर (6367707552) पर संपर्क कर रही है। इसके साथ 5-7 किन्नर और 5-7 लड़के भी हनुमानगढ़ क्षेत्र में आए हुए हैं। ये लोग अक्सर होटल में ठहरते हैं और मकान किराए पर लेने की कोशिश करते हैं। गुरू छन्नो बाई ने बताया कि इन किन्नरों का तरीका बहुत ही आपत्तिजनक है। ये लोग हनुमानगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में घुसकर बधाई मांगते हैं और खुद को हनुमानगढ़ का किन्नर बताते हैं। इस दौरान इन लोगों ने कुछ जगहों पर मारपीट और झगड़ों की घटनाओं को भी अंजाम दिया है, जिससे किन्नर समाज में भारी रोष उत्पन्न हो गया है। किन्नर समुदाय ने आरोप लगाया कि ये लोग चिटटा का नशा करते हैं और चिटटा बेचने का काम भी करते हैं, जिससे हनुमानगढ़ का माहौल खराब हो गया है। किन्नर समुदाय के प्रतिनिधियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इन सभी फर्जी किन्नरों और लड़कों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उन्हें हनुमानगढ़ से बाहर भेजा जाए।

विश्व गौरैया दिवस के पेड़ों, घर आंगन व छतों पर परिंडे रखे

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। श्री श्याम सेवा समिति श्री श्याम चौक द्वारा विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर पक्षियों के पेयजल हेतु परिंडे लगाने के व्यापक अभियान के तहत श्री श्याम चौक व श्री श्याम बगीची के पेड़ों पर और घर आंगन व छतो पर परिंडे रखे गए । श्री श्याम बगीची में पक्षियों के भोजन हेतु चुगे पानी की व्यवस्था की गई। सेवादार पंडित विकास धेरड़ ने बताया कि भीषण गर्मी में पेयजल की व्यवस्था करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है उन्होंने बताया कि समिति द्वारा समय-समय पर भीषण गर्मी एवम सर्दी से परेशान बेजुबान पशु-पक्षियों को बचाने के लिए अभियान चलाए जाते हैं।

इस नेक सराहनीय कार्य में डॉ प्रमोद कड़वासरा,रामेश्वर पारीक धर्मेंद्रशर्मा (13 क्यू), महावीर गोयल, भैरूराम,गोपाल शर्मा ,रामस्वरूप,सतवीर उपस्थित रहे।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में पत्रकार होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

पीलीबंगा। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा गुरुवार को वार्ड 4 में स्थित सद्भावना भवन में पत्रकार होली स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। ब्रह्माकुमारी रानी बहन व ज्योति बहन ने गुलाल से तिलक लगाकर और पुष्प वर्षा कर अतिथियों का अभिनंदन किया। रानी बहन ने होली पर्व के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि होली एक ऐसा त्यौहार है, जो सभी जाति, धर्म व वर्गों को आपस में जोड़ता है। उन्होंने सभी को एकजुट होकर सदैव प्रसन्नचित जीवन जीने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा पत्रकारों को प्रशस्ति पत्र व उपहार भी भेंट किए गए।इस दौरान पत्रकार शंकर तेजरा,यश गुप्ता,राकेश आज़ाद, हेतराम इंदलिया,लालबहादुर, प्रेम आज़ाद,गोविंद लालवानी, राजेंद्रकुमार, मदनलाल, केसी चौधरी शामिल हुए।कार्यक्रम में बीके सचिन, पृथ्वीराज भार्गव, मदनलाल गर्ग, नंदकिशोर स्वामी, श्यामलाल जाखड़ व देवेंद्र सिंह निक्कू आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के बाद ब्रह्मभोज का आयोजन किया गया।

वर्ल्ड ओरल-डे पर जागरूकता सेमिनार का आयोजन

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। स्थानीय बसंती चौक के समीप सेतिया कॉलोनी मेन रोड पर स्थित कदम डेंटोवर्ल्ड हॉस्पिटल और फर्स्ट स्टैप केयर स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में आज वर्ल्ड ओरल हैल्थ डे पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कुंज विहार स्थित स्कूल शाखा में आयोजित सेमिनार में मुख्य वक्ता कदम हॉस्पिटल के संचालक, वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ राहुल अग्रवाल ने मुंह की देखभाल को लेकर व्यापत भ्रांतियों का निवारण किया। मुख्य अतिथि फन बाईट की संचालिका श्रीमती राज मनीष गोयल ने बताया कि 2013 से हर वर्ष 20 मार्च को वर्ल्ड ओरल हैल्थ डे मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने वर्ष 2025 की थीम एक खुश मुंह...एक खुश मन के बारे में भी चर्चा की। काव्य रचना से उपस्थित लोगों को ओरल हैल्थ के प्रति जागरूक किय। मंच संचालन डॉल्वी जिंदल ने किया गया। सुरेन्द्र कुमार, नरेश शर्मा, मनीष गोयल स्कूल स्टाफ और अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रिंसिपल शिल्पी नीटू जिंदल ने आभार व्यक्त किया।सभी उपस्थित जनों को ओरल हाइजीन के लिए पेस्ट और डायरी भेंट की गई। कार्यक्रम समापन जलपान के साथ किया गया।

जन्मदिन मुबारक

श्रीगंगानगर। पिहिका गौड़ (सुपौत्री स्व. मोतीलाल गौड़) के जन्मदिन पर दादी-सुमन देवी, छोटे दादा-दादी, ताऊ ताई, पापा-मम्मी गौतम-कुसुम, चाचा-चाची, विमल-रीतू, गौरव-मोनिका, भुआ फूफा दीक्षा करण, नाना-नानी, मामा-अश्वनी, पुष्पक चाचा-अभिषेक, युवराज, लक्ष्य, नमन भाई-चिरायु, बहन-भाविका, लोकीता, दिविशा व समस्त गौड़ परिवार, रिश्तेदारों की ओर से शुभकामनाएं।

टीबी जागरूकता के लिए निकाली रैली

जिले में जारी है टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। जिले को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से श्रीगंगानगर जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान जारी है। इसके तहत गुरुवार को जिलास्तरीय रैली निकाली गई, जिसे सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता, टीबी अधिकारी डॉ. साक्षी मेहता, नकुल शेखावत, गरिमा परिहार, कनुप्रिया एवं आनंद आदि मौजूद रहे।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। जब तक आमजन को टीबी रोग की सही जानकारी सुलभ नहीं होगी, तब तक एक स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज का निर्माण संभव नहीं है। इस दिशा में जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जानी बेहद जरूरी है और इसी क्रम में गुरुवार को जिलास्तर एवं खंडस्तर पर जागरूकता रैलियां निकाली गई। टीबी अधिकारी डॉ. साक्षी मेहता ने बताया कि राजस्थान सरकार की ओर से 11 मार्च 2025 से 24 मार्च 2025 (विश्व टीबी दिवस) तक पूरे प्रदेश में टीबी मुक्त पंचायत अभियान चलाया जा रहा है। इस विशेष अभियान का उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर क्षय रोग (टीबी) को समाप्त करने के लिए जनजागरूकता बढ़ाना और रोग उन्मूलन के लिए सक्रिय कदम उठाना है। यही वजह की व्यापक जागरूकता गतिविधियां जारी है। वहीं विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

आईईसी श्रीगंगानगर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों तक टीबी से जुड़ी जानकारी और बचाव के उपाय पहुंच सकें।उन्होंने बताया कि इस दौरान गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम, निःशुल्क टीबी जांच शिविर और उपचार सुविधाओं को सुलभ बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।

अपना घर आश्रम ने अशोक बंसल के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

स्व. श्रीमती लीला बंसल जी की स्मृति में बहुद्देश्यीय भवन का निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अपना घर आश्रम, पठानवाला, श्रीगंगानगर द्वारा दानदाता अशोक बंसल का निधन होने पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। अपना घर आश्रम के जगीर फरमा ने बताया कि पठानवाला स्थित अपना घर आश्रम में 21 लाख रुपए का सहयोग देने वाले दानदाता सेवानिवृत्त अधिकारी अशोक बंसल का बुधवार को स्वर्गवास हो गया।

आश्रम के संस्थापक संरक्षक राजेंद्र लोहिया एवं सचिव इंजी. अर्जुन देव वधवा की प्रेरणा से कुछ माह पूर्व श्री बंसल ने अपना घर आश्रम का भ्रमण किया था। उस दौरान यहां प्रभुजनों की सेवा की व्यवस्थाओं को देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए थे। उन्होंने अपना घर आश्रम में अपनी धर्मपत्नी स्व. श्रीमती लीला बंसल की स्मृति में एक बहुद्देश्यीय भवन बनवाने के लिए 21 लाख रुपए दानस्वरूप प्रदान किए थे, जिसका निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

पुलिस के गश्ती दल पर आतंकियों ने किया ग्रेनेड से हमला

सेना ने की इलाके की घेराबंदी

जनमार्ग न्यूज

जम्मू। थन्नामंडी तहसील में गश्त पर निकले पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) को वीरवार रात छज्जा वाला किला के पास आतंकियों ने ग्रेनेड से निशाना बनाने की कोशिश की। गनीमत रहा कि ग्रेनेड वाहन से

दूर फटा, जिससे टीम को कोई नुकसान नहीं हुआ। एसओजी और सेना ने क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है। सुबह होते ही तलाशी अभियान चलाया जाएगा। हालांकि, पुलिस ने घटना की पुष्टि नहीं की। सूत्रों के अनुसार गश्त के लिए एसओजी की टीम दो गाड़ियों पर निकली थी। रात करीब पौने आठ बजे छज्जा वाला किला के पास पहुंचते ही ऊंचाई पर छिपे आतंकियों ने वाहनों को निशाना बनाते हुए ग्रेनेड से हमला किया। आतंकियों का निशाना चूक गया जिससे ग्रेनेड दूर गिरा। बताया जा रहा है कि एसओजी की एक गाड़ी में डीएसपी रैंक के एक अधिकारी मौजूद थे। घटना के बाद सेना और पुलिस ने इलाके में घेराबंदी कर दी है। रोशनी वाले गोले दाग कर सुरक्षाबल आतंकियों को खोजने का प्रयास में जुटे रहे।

महिला की हत्या कर लाश नहर में फेंकी

● पदमपुर के पास नहर में नग्न अवस्था में मिली लाश

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। एक अज्ञात महिला की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर लाश नहर में फेंक दिए जाने की आशंका है। श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर थाना क्षेत्र में चक 8-ईईए के समीप गंग कैनाल की ईईए माइनर नहर में कल गुरुवार को 40-50 वर्षीय एक महिला की लाश नग्न अवस्था में तथा गली-सड़ी हालत में मिली। पुलिस ने इस महिला की अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हत्या कर लाश नहर में फेंकने की संभावना से इनकार नहीं किया है। चक 8-ईईए निवासी पवनदीपसिंह नामक व्यक्ति द्वारा सूचना दिए जाने पर पुलिस ने लाश को नहर से निकलवाया। लाश लगभग 15 दिन पुरानी थी। उसके हाथ-पैरों को जलीय जीव जंतु खो गए थे। लाश बहुत ही सड़ी हुई हालत में थी। मौके की कार्यवाही के बाद लाश को पोस्टमार्टम की औपचारिकता के लिए सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में लाया गया। लाश की इतनी बुरी हालत थी कि उसे निर्धारित 72 घंटे सुरक्षित नहीं रखा जा सकता था। लिहाजा पोस्टमार्टम करवाने के बाद पुलिस ने दफना दिया। डीएनए टेस्ट के लिए उसका सेंपल प्रिजर्व करवाया गया है। जांच कर रहे हवलदार हरजिंदरसिंह ने बताया कि मृतक महिला पंजाब की निवासी होने की संभावना है। उसके शरीर पर कोई जाहिरा चोट का निशान दिखाई नहीं दिया।उसके गले पर भी कोई दबाव के लक्षण दिखाई नहीं दिए। मगर लाश नग्न अवस्था में मिलने के कारण पुलिस ने उसकी हत्या किए जाने की आशंका व्यक्त की है।पुलिस का कहना है कि अगर यह महिला दुर्घटनावश अथवा आत्महत्या करने के लिए नहर में गिरी होती तो उसके शरीर पर कपड़े आवश्यक होते। कपड़े कटे फटी हालत में हो हो सकते थे, जैसे कि आमतौर पर नहर में मिलने वाली लाशों के होते हैं। पुलिस का यह भी कहना है कि इस महिला के शरीर पर कोई कपड़ा ना होना इस बात की तरफ इशारा करता है कि जिस किसी ने भी उसकी हत्या की है, वह नहीं चाहता था कि कपड़ों की वजह से उसकी पहचान हो। इसलिए किसी अज्ञात तरीके से कत्ल करने के बाद कपड़े उतार कर लाश को नहर में फेंका गया है। उसके शरीर पर कहीं कोई टैटू नहीं था और ना ही कोई गहना पहना था।

वित्त वर्ष की समाप्ति पर अधिकाधिक टैक्स जुटाने की कवायद जारी

● कलेक्ट्रेट में बुलाई बैठक ● पार्किंग व एलएंडटी सहित शहर की अनेक समस्याओं पर हुई चर्चा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। वित्त वर्ष की समाप्ति में अब सिर्फ 10 दिन बचे हैं, लिहाजा अधिक से अधिक टैक्स जुटाने की कवायद जिला स्तर पर तेज हो गई है। इस गरज से आज जिला कलेक्ट्रेट में एक बैठक बुलाई गई जिसमें जिला कलेक्टर डॉ मंजू, जीएसटी डिपार्मेंट सहित टैक्स जताने वाले अन्य विभागों के साथ व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। वाणिज्य कर विभाग के अतिरिक्तआयुक्त रामेन्द्र शर्मा ने बताया कि बैठक में जिला कलक्टर डॉ मंजू ने व्यापारियों द्वारा की जा रही रिटर्न फाईलिंग की सराहना की। उन्होंने मार्च माह की समाप्ति से पहले अधिकाधिक राजस्व राजकोष मे जमा करवाने के लिए प्रेरित किया।बैठक में उपस्थित व्यापारिक संघों और टैक्स बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों से माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित सुझाव एवं समस्याओं की जानकारी ली गई। उनके द्वारा बताई गई कुछ समस्यायों का तुंरत निदान किया गया। प्रस्तुत किए गए सुझावों को मुख्यालय भिजवाने का आश्वासन दिया गया। जिला कलक्टर ने शहर पार्किंग,आवारा कुत्तों की समस्या, स्वच्छता अभियान, सीवरेज और 24 घंटे पेयजल सप्लाई का काम कर रही कंपनी एल एंड टी और ग्रीन गंगानगर प्रोजेक्ट के बारे मे भी विचार विमर्श किया गया।

युवक से मारपीट कर बाइक और मोबाइल लूटा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र में बुधवार-गुरुवार की रात को मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने खेत से घर जा रहे एक युवक को रोका और मारपीट कर मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन लूट लिया। घटना की जांच कर रहे एएसआई विनोद कुमार ने बताया कि चक 12-टीके निवासी विष्णु पुत्र साहबराम बुधवार रात लगभग 10 बजे खेत से मोटरसाइकिल द्वारा घर आ रहा था। भारतमाला प्रोजेक्ट रोड से चक 12-टीके संपर्क रोड पर उसे मोटरसाइकिल पर आए तीन बदमाशों ने रोक लिया। मारपीट कर मोटरसाइकिल और मोबाइल फोन छीन लाया तथा उसे भगा दिया।

पिकअप में 8 किलो पोस्त मिला, चालक-परिचालक काबू

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सूरतगढ़ सिटी पुलिस ने पिकअप वाहन में लहसुन लादकर ले जा रहे चालक परिचालक को अवैध रूप से पोस्त रखने के आरोप में पकड़ा है। वहीं एक युवक को भी हैरोइन सहित हिरासत में लिया है। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि सूरतगढ़ सिटी थाना में तैनात सब इंस्पेक्टर नागेंद्रसिंह की टीम ने कल देर शाम को अमृतसर- जामनगर एक्सप्रेस वे पर चक 10-एसपीडी में एक पिकअप वाहन को रोक कर चेक किया। पिकअप में 102 कट्टे लहसुन के लदे हुए थे। तलाशी लेने पर गाड़ी में 7 किलो 900 ग्राम डोडा पोस्त चूरा बरामद हुआ। पिकअप के चालक और परिचालक और मंगलसिंह (28) पुत्र जबराराम निवासी जवाहरनगर, रामपुरा फूल पुलिस थाना गिल कलां तथा हरपालसिंह उर्फ सोनी (47) पुत्र वजीरसिंह निवासी रामपुरा फूल जिला बठिंडा, पंजाब को गिरफ्तार कर लिया गया। पिकअप गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस टीम में सिपाही सुरेश, रामकुमार, आत्माराम और ड्राइवर कांस्टेबल दुर्गादत्त भी शामिल रहे। वहीं थाना प्रभारी रामकुमार ने सरदारगढ़ गांव की लिंक रोड पर कल शाम को सोनू पुत्र शुगरसिंह को गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से 4.90 ग्राम अवैध हैरोइन बरामद हुई। दोनों कार्यवाहियों में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

कीटनाशक दवा चढ़ाने से अधेड़ की मौत

श्रीगंगानगर। सूरतगढ़ सिटी थाना अंतर्गत गांव नई बारेकां निवासी एक शख्स की कीटनाशक दवा चढ़ाने से मृत्यु हो गई। पुलिस के मुताबिक नई बारेकां निवासी विजयपाल मेघवाल ने रिपोर्ट दी है कि उसका पिता कृष्णलाल मेघवाल (45) है परसों बुधवार को खेत में कीटनाशक दवा का छिड़काव कर रहा था। इस दौरान वह दवा के दुष्प्रभाव से बेहोश हो गया। उसे वे तुरंत सूरतगढ़ के ट्रॉमा सेंटर में लेकर आए। जहां रात को इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। जांच कर रहे हवलदार महावीर ने बताया कि कल गुरुवार को पोस्टमार्टम करवाने के बाद लाश परिवार वालों के सुपुर्द कर दी गई।

रिलेशनशिप छोड़ी तो लगाया यौन शोषण का आरोप

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली विवाहित युवती ने अपने साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहे एक युवक के छोड़कर चले जाने पर उसके विरुद्ध यौन शोषण का मुकदमा दर्ज करवाया है। मामला हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा शहर का है। पुलिस के अनुसार मूल रूप से श्रीगंगानगर जिले के सादुलशहर तहसील इलाके की निवासी लगभग 31 वर्षीय युवती द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर ऋतिक नागर उर्फ आयुष ब्राह्मण निवासी देपालपुर इंदौर, मध्य प्रदेश के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। कथित रूप से पीड़ित युवती अनुसूचित जाति की है। उसने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया है कि वह लगभग 3 वर्ष से एक प्राइवेट कंपनी में कार्यरत है। पीलीबंगा में किराए के मकान में रहने के दौरान उसकी जान पहचान ऋतिक नागर से हो गई। वह भी पीलीबंगा में रहता था। कुछ ही दिनों में उनकी दोस्ती हो गई।दोस्ती कथित रूप से प्रेम प्यार में तब्दील हो गई।पुलिस के अनुसार पीलीबंगा में दोनों किराए के मकान में एक साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने लगे। दोनों में जिस्मानी ताल्लुकात भी हो गए। युवती ने पुलिस को बताया कि विगत 3 मार्च को ऋतिक उसे अचानक छोड़कर चला गया। जाते हुए वह उसके 15 हजार रुपए, लैपटॉप तथा कुछ अन्य सामान भी ले गया। पुलिस ने पीड़ित महिला का मेडिकल चेकअप करवाया है। मामले की जांच रावतसर के डीएसपी हंसराज बैरवा कर रहे हैं।

रूपयों के लेनदेन विवाद में घर बुलाकर पीटा

❐ दूसरे पक्ष ने भी दर्ज करवाया मुकदमा

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। लालगढ़ जाटान थाना क्षेत्र के चक जमीयतसिंहवाला में रूपयों के लेनदेन के विवाद में घर बुलाकर मारपीट करने और निर्वस्त्र कर आपत्तिजनक वीडियो बनाने का मामला सामने आया है।पुलिस के अनुसार जमीयतसिंहवाला निवासी कुलविंदरसिंह ने रिपोर्ट दी है कि उसके घर के समीप रहने वाले गगन उर्फ बबलू तथा मदनलाल उर्फ मद्दू ने उसके भाई हरपिंदरसिंह को रूपयों के लेनदेन के चलते परसों फोन करके अपने घर बुलाया। घर जाने पर उक्त लोगों ने उसके भाई हरपिंदरसिंह से मारपीट की। उसके गले में साफा डालकर जान से मारने की कोशिश की। उक्त लोगों ने मारपीट करते हुए उसके भाई के पहने हुए कपड़े उतार दिए तथा आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। कुलविंदर सिंह ने उक्त लोगों पर उसके भाई को ब्लैकमेल करने तथा गाली-गलौज करने का आरोप भी लगाया है। दूसरी तरफ आरोपियों के परिवार की एक महिला ने हरपिंदरसिंह पर घर में घुसकर जाति सूचक गालियां देने मारपीट करने और कथित रूप से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दी है।पुलिस के अनुसार इस रिपोर्ट पर हरपिंदरसिंह के विरुद्ध भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

कुश्ती के दौरान मौत,मारने वाले को 5 साल की सजा

बीकानेर। बीकानेर के लूणकरणसर क्षेत्र में कुश्ती के दौरान एक खिलाड़ी की गर्दन मुड़ने से मौत हो गई। करीब दस साल पुराने इस मामले में बीकानेर की एक अदालत ने गर्दन मोड़ने वाले खिलाड़ी को पांच साल की सजा सुनाई है। जमानत पर चल रहे इस युवक को अब गिरफ्तार करके जेल भेजा जाएगा। अपर सेशन न्यायाधीश संख्या चार की अदालत में पीठासीन अधिकारी मुकेश कुमार सोनी ने सजा सुनाई है। लूणकरणसर के अजीतमाना गांव में 27 मई 2015 को हादसा हुआ था। परिवादी रजिराम ने आरोप लगाया था कि बीरबलराम और नंदूराम ने चंदूराम नामक युवक की गर्दन जबरन मोड़ी थी। उसे पीबीएम हॉस्पिटल लेकर आए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।

आंख में दवा डालकर सोया युवक सोया ही रह गया

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। मजदूरी कर दोपहर को घर आए युवक ने खाना खाकर आंख में दवा डाली और सो गया। फिर वह सोया ही रह गया।युवक को अस्पताल ले जाया गया तो मृत घोषित कर दिया गया। घटना हनुमानगढ़ जिले के टिब्बी शहर की है। पुलिस के अनुसार टिब्बी के वार्ड नंबर 12 निवासी विजय मेघवाल (25) की अचानक मृत्यु होने का मामला दर्ज किया गया है।प्रेम कुमार मेघवाल (55) ने बताया कि उसका बेटा विजय कल गुरुवार दोपहर को मजदूरी कर कर घर आया था। उसने खाना खाया,फिर वह सोने लगा। उसकी पत्नी ने उसकी आंखों में दवा डाली थी। बताया जाता है की दवा विजय बाजार से लेकर ही आया था। इसके बाद वह सोकर उठा नहीं तो घर वाले उसे तुरंत अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने चेकअप के बाद मृत घोषित कर दिया।जांच कर रहे एएसआई देवीलाल ने बताया कि डॉक्टरों ने पोस्टमार्टम के दौरान उसके पेट का विसरा एफएसएल जांच के लिए लिया है। प्रारंभिक तौर पर मृत्यु का कारण दिल का दौरा पडना बताया जा रहा है।पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर मृत्यु के सही कारण का पता चलने की संभावना है।

हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध गवाही देने पर धमकी

● पिछले हफ्ते ही जमानत पर छूटा है हिस्ट्रीशीटर

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीकरनपुर थाना के एक हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध गवाही देने पर एक युवक को उसके ही गुर्गे द्वारा धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के मुताबिक श्रीकथनपुर के वार्ड नंबर 16 में लक्कड़ मंडी क्षेत्र निवासी अजय ग्रोवर उर्फ मोंटी द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर अमित चौधरी उर्फ राका के विरुद्ध धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। अजय ग्रोवर ने बताया कि वह 11 मार्च की दोपहर 3:15 बजे श्याम मिष्ठान भंडार से चाय व समोसा लेकर पास में ही संदीप सेठी के ऑफिस की तरफ जा रहा था। तभी अमित चौधरी उर्फ राका निवासी वार्ड नंबर 10 ने रवि मेडिकल के पास रोका और धमकाया कि उसने एडवोकेट विशाल भारती के पक्ष में और साहिल अरोड़ा उर्फ भिंडी के विरुद्ध थाने और कोर्ट में बयान देकर बहुत गलत किया है। उसने साहिल अरोडा से दुश्मनी ले ली है।साहिल अरोडा की कोर्ट से जमानत हो चुकी है। एक मामले में तो उसने ही साहिल की जमानतदी है।अमित ने कहा कि साहिल नहीं उसे यह बताने के लिए भेजा है कि वह उसके पैर पकड़ ले और माफी मांग ले नहीं तो वह उसे जान से मार देगा।अजय ग्रोवर ने पुलिस को दी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि अमित चौधरी ने कहा कि साहिल अरोडा एडवोकेट विशाल भारती वर्मा को जान से आज नहीं तो कल मारेगा ही। अमित चौधरी ने फिर कहा कि वह साहिल अरोडा के पैर पड़कर माफी मांग ले और उसके विरुद्ध दिए बयान से मुकर जाएं नहीं तो वे उसे झूठे मुकदमे में फंसा देंगे क्योंकि श्रीकरणपुर में हमारी सत्ता है। अजय ग्रोवर ने साहिल अरोडा उर्फ भिंडी तथा अन्यों के विरुद्ध 3 मार्च को दर्ज हुए एक मुकदमे में गवाही दी थी। श्रीकरनपुर की धान मंडी की एक दुकान में 2 मार्च की रात को मौजूद एडवोकेट विशाल भारती वर्मा के साथ साहिल अरोडा और कुछ अन्य युवकों ने आकर मारपीट की थी। विशाल भारती वर्मा एक दुष्कर्म पीड़ित युवती की पैरवी कर रहा है,जिसमें साहिल अरोरा की गिरफ्तारी हुई थी। विशाल भारती वर्मा से 2 मार्च की रात को हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने अभी तक सिर्फ साहिल को ही गिरफ्तार किया हैस जिसकी तीन-चार दिन बाद ही जमानत हो गई। बाकी आरोपी अभी तक पकड़े नहीं जा सके। जमानत पर छूटने के बाद साहिल अरोरा अब अपने गुर्गों से 2 मार्च को उसके विरुद्ध दर्ज हुए मुकदमे के गवाहों को धमका रहा है। पुलिस ने बताया कि अजय ग्रोवर की रिपोर्ट पर अमित चौधरी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच एएसआई करणसिंह के सुपुर्द की गई है।

ट्रैक्टर की टक्कर लगने से एक की मौत, दूसरा घायल

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में पीलीबंगा-हनुमानगढ़ फोरलेन मार्ग पर बुधवार- गुरुवार की रात्रि एक ट्रैक्टर की टक्कर लगने से मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक की मृत्यु हो गई जबकि दूसरा व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान मानाराम नायक निवासी चक 2-एसजीआर भागसर के रूप में हुई है। घायल हुए सुनील नामक युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। यह दोनों बुधवार देर रात को मोटरसाइकिल पर हनुमानगढ़ से पीलीबंगा की तरफ आ रहे थे। रास्ते में रोड डिवाइडर कट से यू-टर्न होकर आए एक ट्रैक्टर की टक्कर लगने से दोनों घायल हो गए। दुर्घटना की जांच कर रहे एएसआई राजेंद्र ने बताया कि गंभीर घायल हुए मानाराम को पीलीबंगा से हनुमानगढ़ रेफर कर दिया गया, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई। मृतक के भाई गोपाल नायक (62) निवासी चक 2-एसजीआर भागसर द्वारा दी गई रिपोर्ट पर ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ है।

बीकानेर सहित अन्य स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य प्रगति पर है: वैष्णव

● अमृत स्टेशन योजना के तहत हो रहे हैं विकास कार्य

जनमार्ग न्यूज।

जयपुर। राज्यसभा सत्र के दौरान सांसद राजेन्द्र गहलोत द्वारा गांधीनगर जयपुर, जयपुर, जोधपुर, जैसलमेर, उदयपुर सिटी, डाकनिया तालाव, कोटा व बीकानेर स्टेशनों का पुनर्विकास/उन्नयन बारे में प्रश्न के सम्बंध में रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, अजमेर, बीकानेर, उदयपुर सिटी व जैसलमेर सहित 85 स्टेशनों के पुनर्विकास का कार्य अमृत स्टेशन योजना के तहत किया जा रहा है। इन 85 स्टेशनों में से 80 स्टेशनों पर पुनर्विकास कार्य प्रारम्भ हो चुके हैं। चिन्हित स्टेशनों पर कार्य प्रगति पर हैं। कुछ स्टेशनों पर प्रगति के तहत राजस्थान के प्रमुख स्टेशन जयपुर जंक्शन पर द्वितीय प्रवेश पर स्टेशन बिल्डिंग व बेसमेंट का स्ट्रक्चर का कार्य पूरा हो चुका है तथा फुट ओवर ब्रिज, मुख्य प्रवेश पर स्टेशन बिल्डिंग, एयर कॉनकोर्स आदि का कार्य प्रगति पर है। जैसलमेर स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। स्टेशन पर मुख्य प्रवेश पर स्टेशन बिल्डिंग के स्ट्रक्चर का कार्य पूरा हो गया है तथा फिनिशिंग कार्य किए जा रहे है। इसके साथ ही स्टेशन पर एयर कॉनकोर्स और फुट ओवर ब्रिज के गर्डर लॉन्चिंग और डेक स्लैब कास्टिंग का काम पूरा हो चुका है। उदयपुर सिटी स्टेशन पर, पूर्व दिशा की ओर स्थित स्टेशन बिल्डिंग के स्ट्रक्चर से सम्बंधित कार्य पूरे हो गए हैं और पश्चिम दिशा की स्टेशन बिल्डिंग, एयर कॉनकोर्स, थ्रू रूफ, फुट ओवर ब्रिज, स्काईवॉक आदि का काम प्रगति पर है। जोधपुर रेलवे स्टेशन पर, सुविधाओं को समायोजित करने के लिए अस्थायी स्ट्रक्चर को हटाने का काम पूरा हो चुका है, जिसमें शिफ्टिंग भी शामिल है। द्वितीय प्रवेश स्टेशन बिल्डिंग का स्ट्रक्चर कार्य पूरा हो चुका है और फर्निशिंग कार्य प्रगति पर हैं। मल्टी-लेवल कार पार्किंग आगमन कॉनकोर्स-1, फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) और मुख्य स्टेशन बिल्डिंग का काम प्रगति पर है। गांधीनगर जयपुर स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार व द्वितीय प्रवेश द्वारा पर स्टेशन बिल्डिंगों के स्ट्रक्चर का कार्य पूरा हो चुका है एवं फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है। स्टेशन पर एयर कॉनकोर्स के गर्डर लॉन्च किए जा चुके हैं और डेक स्लैब डालने का कार्य भी कर लिया गया है। पुनर्विकास कार्य के अन्तर्गत थ्रू रूफ और प्लेटफॉर्म शेल्टर आदि का कार्य किया जा रहा है। डाकनिया तालाव स्टेशन पर स्टेशन बिल्डिंग का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है और फिनिशिंग का काम प्रगति पर है। पार्सल और आरपीएफ बिल्डिंग का काम पूरा हो चुका है। एयर कॉनकोर्स के गर्डरों की लोन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। सर्कुलेटिंग एरिया का कामए नए प्लेटफॉर्म का निर्माण कार्य प्रगति पर है। कोटा रेलवे स्टेशन पर विद्युत सबस्टेशन और प्रस्थान हॉल का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है तथा आगमन हॉल के सामने की ओर का संरचनात्मक कार्यए छत और प्लेटफार्म शेल्टर की नींव का कार्य प्रगति पर है।

हित चिंतक बैठक का आयोजन

जनमार्ग न्यूज।

रावला मंडी। विद्या भारती द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर मे हित चिंतक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें मुख्य वक्ता विद्या भारती जोधपुर प्रांत के प्रांत सचिव महेंद्र दवे थे द्य कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय प्रबंध समिति के अध्यक्ष गणेशमल ललवाणी ने की। बैठक का संचालन प्रबंध समिति के सह व्यवस्थापक भंवरलाल पारीक ने किया। बैठक में हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर के जिला सचिव मदनलाल बिश्नोई भी उपस्थित थे द्य बैठक का प्रारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया द्य बैठक में विद्यालय के हित के लिए महेश गौड़,अशोक मंगा, विनोद दुहरिया, बलवंत सिंह , प्रकाश छींपा, घनश्याम मारू, जगदीश पारीक आदि ने अपने सुझाव दिए द्य मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में विद्या भारती का परिचय करवाते हुए कहा कि यह समाज का विद्यालय है और समाज में सम्यक परिवर्तन के लिए इन विद्यालयों का निर्माण किया गया है। बैठक में शिव कुमार राठी, महेंद्र बरोका, सतपाल भादू, मदनलाल वर्मा, संजय सोनी, रामसिंह छींपा, कालूराम मित्तल, विद्याधर जांगिड़ उपस्थित रहे। विद्यालय के संरक्षक जगदीश पारीक ने आए हुए अभिभावकों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692